दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'अतीत से सीख लेकर वर्तमान में सही कर्म करना ही भविष्य को उज्ज्वल बनाने का सबसे सशक्त उपाय है। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-164 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 8 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'अतीत की सीख, वर्तमान का कर्मः जीवन की सच्ची दिशा '

एक वृद्ध किसान अपने पुत्र को खेत में बीज बोते हुए समझा रहा था– 'बेटा, बीज तो पुराने हैं, लेकिन फसल नई होगी। फर्क इस बात से पड़ता है कि तुम इन्हें आज कैसे बोते हो।' यह साधारण-सा संवाद जीवन के गहरे सत्य को उजागर करता है। हमारा अतीत उन बीजों की तरह है, जो बीत चुका है, लेकिन उसका सही उपयोग वर्तमान में ही संभव है। जीवन की सार्थकता इसी संतुलन में छिपी है–अतीत की सीख और वर्तमान के कर्म के बीच संतुलन। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

आज का मनुष्य एक अजीब द्वंद्व में जी रहा है। वह या तो अतीत की स्मृतियों में खोया रहता है–कभी अपनी सफलताओं पर गर्व करता है, तो कभी अपनी असफलताओं पर पछताता है; या फिर भविष्य की चिंताओं में उलझा रहता है–क्या होगा, कैसे होगा, कब होगा? इस बीच वह सबसे महत्वपूर्ण समय–वर्तमान–को अनदेखा कर देता है। जबकि सच्चाई यह है कि जीवन केवल वर्तमान में ही घटित होता है।

अतीत को अक्सर लोग केवल बीता हुआ समय मान लेते हैं, लेकिन वास्तव में यह एक विशाल पाठशाला है। यह हमें अनुभवों के रूप में अमूल्य ज्ञान देता है। हमारी गलतियाँ, हमारी असफलताएँ और हमारी सफलताएँ–ये सभी हमारे जीवन के शिक्षक हैं। यदि हम ध्यान से देखें, तो हर असफलता हमें एक नई दिशा दिखाती है और हर सफलता हमें आत्मविश्वास प्रदान करती है।लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है, जब हम अतीत को सीख के बजाय बोझ बना लेते हैं। कुछ लोग अपनी पुरानी गलतियों को लेकर इतना पछताते हैं कि वर्तमान में कोई निर्णय लेने का साहस ही नहीं जुटा पाते। वहीं कुछ लोग अपनी पुरानी सफलताओं में ही इतने खो जाते हैं कि आगे बढ़ने की प्रेरणा खो बैठते हैं। दोनों ही स्थितियाँ जीवन की प्रगति में बाधा बनती हैं।

वास्तव में, अतीत और वर्तमान का संबंध बीज और वृक्ष के समान है। अतीत के अनुभव बीज हैं, जिन्हें वर्तमान की मिट्टी में बोना आवश्यक है। यदि बीज को संजोकर रखा जाए लेकिन बोया न जाए, तो उससे कोई फल प्राप्त नहीं होगा। इसी प्रकार, यदि हम केवल अतीत को याद करते रहें और वर्तमान में कोई ठोस कदम न उठाएँ, तो जीवन में कोई सार्थक परिवर्तन संभव नहीं है। वर्तमान ही वह कार्यशाला है, जहाँ हम अपने अतीत से सीखी गई बातों को अमल में लाते हैं। यह वह क्षण है, जहाँ हमारे निर्णय हमारे भविष्य को आकार देते हैं। यदि हम वर्तमान में सजग और सक्रिय रहेंगे, तो हमारा भविष्य स्वतः ही उज्ज्वल होगा। लेकिन यदि हम वर्तमान को खो देंगे, तो न अतीत हमारे काम आएगा और न ही भविष्य हमें संतोष दे पाएगा।

यह भी सत्य है कि भविष्य की चिंता करना स्वाभाविक है, क्योंकि हर व्यक्ति अपने जीवन को सुरक्षित और सफल देखना चाहता है। लेकिन अत्यधिक चिंता हमें निष्क्रिय बना देती है। हमें यह समझना होगा कि भविष्य का निर्माण वर्तमान के कर्मों से ही होता है। यदि हम आज सही दिशा में प्रयास करेंगे, तो कल अपने आप बेहतर होगा। 'वक्त की कद्र करो, क्योंकि यही जीवन है '–यह कथन केवल प्रेरणादायक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का मूल सिद्धांत है। समय का हर क्षण हमें एक नया अवसर देता है। यह हमारे हाथ में है कि हम उसे अतीत की यादों में गंवाते हैं या भविष्य की चिंताओं में खो देते हैं, या फिर उसे वर्तमान में जीकर अपने जीवन को सार्थक बनाते हैं।

समाज के स्तर पर भी यह सोच अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक ऐसा समाज, जो अपने अतीत से सीख लेता है और वर्तमान में उसे लागू करता है, वही प्रगति करता है। वहीं जो समाज केवल अपने इतिहास पर गर्व करता है लेकिन वर्तमान में कोई प्रयास नहीं करता, वह ठहराव का शिकार हो जाता है।

अंततः, जीवन एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें हर क्षण का अपना महत्व है। अतीत हमें यह सिखाता है कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, जबकि वर्तमान हमें उस सीख को अमल में लाने का अवसर देता है। जो व्यक्ति अपने अतीत की कड़वाहट को पीछे छोड़कर उसकी सीख को अपने वर्तमान के कर्मों में ढाल लेता है, वही वास्तविक अर्थों में आगे बढ़ता है। इसलिए आवश्यक है कि हम अतीत से सीखें, लेकिन उसमें खोए नहीं; भविष्य के लिए योजना बनाएं, लेकिन उसकी चिंता में वर्तमान को न खो दें। जीवन की असली सफलता इसी संतुलन में निहित है।

क्योंकि जो व्यक्ति वर्तमान को सही ढंग से जीना सीख लेता है, वही अपने अतीत को सार्थक और भविष्य को उज्ज्वल बना सकता है।

नेपाल में चमका बीकानेर का नाम, अरमान पंवार और मिस्टी दांवा बनीं सिल्वर गर्ल्स

छोटी उम्र, बड़ा कमालः बीकानेर की बेटियों ने एशियन चैंपियनशिप में जीते सिल्वर मेडल

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

नेपाल के धुलीखेल स्थित काठमांडू यूनिवर्सिटी स्टेडियम में 1 से 3 मई 2026 तक आयोजित सातवीं एशियन स्वात (फ्रेंच किक बॉक्सिंग) चैंपियनशिप में राजस्थान की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश और प्रदेश का नाम रोशन किया। बीकानेर जिले की दो युवा खिलाड़ियों अरमान पंवार और मिस्टी दांवा ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में दमदार खेल दिखाते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इस अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में एशिया महाद्वीप के भारत, नेपाल, चीन, हांगकांग, उज़्बेकिस्तान और इंडोनेशिया सहित आठ देशों के करीब 300 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में राजस्थान से भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अरमान ने 27 से 30 किलो भार वर्ग तथा मिस्टी दांवा ने 24 से 27 किलो भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि से पूरे राजस्थान में खुशी का माहौल है। प्रतियोगिता से लौटने पर दोनों बेटियों का बीकानेर में जोरदार स्वागत किया गया। शुभचिंतकों, परिजनों और क्षेत्रवासियों ने फूल मालाएं पहनाकर, पुष्पवर्षा कर और मिठाइयां खिलाकर खिलाड़ियों का अभिनंदन किया। इस दौरान लोगों ने भारत माता के जयकारों के साथ बेटियों की सफलता पर गर्व जताया।

खिलाड़ी अरमान ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता मंजु दांवा को देते हुए स्वात फाउंडर सुखविंदर सिंह बिंजरावत और नेशनल प्रेसिडेंट हंसराज नामसोत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सही मार्गदर्शन, अनुशासन और निरंतर मेहनत से ही किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। घर पर आयोजित सम्मान समारोह में अरमान ने बाबा साहेब

डॉ भीमराव अम्बेडकर और तथागत बुद्ध को नमन करते हुए कहा कि इन महान विभूतियों ने देश में महिलाओं को संवैधानिक अधिकार देकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया। उन्होंने कहा कि उनकी यह सफलता भी उन संघर्षों और अधिकारों का परिणाम है, जिनकी बदौलत आज बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों की यह उपलब्धि साबित करती है कि कड़ी मेहनत, समर्पण और उचित प्रशिक्षण के दम पर ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहराकर देश का नाम गौरवान्वित कर सकती हैं। यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं और विशेष रूप से बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। अरमान वर्तमान में बीकानेर जिले की सनराइज एकेडमी, खाजूवाला में कक्षा 6 की छात्रा हैं, जबकि मिस्टी दांवा नोखा ब्लॉक के कुंभासर गांव में कक्षा 1 में अध्ययनरत हैं। इतनी कम उम्र में दोनों खिलाड़ियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हासिल की गई सफलता को क्षेत्र के लोग ऐतिहासिक उपलब्धि मान रहे हैं।

रेवाड़ी में भीमराव अंबेडकर प्रतिमा तोड़ीः आरोपी को किया गिरफ्तार, गांव में तनाव

भीम आर्मी ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी, प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

रेवाड़ी जिले के शहबाजपुर खालसा गांव में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश का मामला सामने आया है। कसौला थाना क्षेत्र में बुधवार और गुरुवार की दरम्यानी रात संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा गुरुदेव शोभानाथ महाराज की प्रतिमाओं को खंडित कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में भारी रोष फैल गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। गांव के सरपंच मनोज कुमार की शिकायत पर कसौला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने कई टीमें गठित कीं तथा गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए सीआईए टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। सरपंच के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने शराब के नशे में इस वारदात को अंजाम दिया।

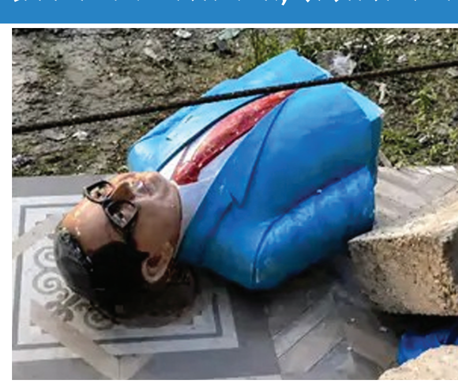

हालांकि घटना के बाद ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों में भारी नाराजगी बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही भीम आर्मी के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। जिला अध्यक्ष रोहित वाल्मीकि ने आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन उसी स्थान पर बाबा साहेब की नई प्रतिमा स्थापित करवाए तथा प्रतिमा स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं।

भीम आर्मी ने यह भी मांग की कि 14 अप्रैल भीम जयंती के दिन गांव कसोला में बाबा साहेब का पोस्टर जलाने वाले आरोपियों को भी तुरंत गिरफ्तार किया जाए। संगठन ने सभी मांगों को लेकर शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक रेवाड़ी को ज्ञापन सौंपने की घोषणा की है।संगठन ने जिला प्रशासन को 48 घंटे का समय देते हुए चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा में उचित कार्रवाई नहीं हुई तो जिले में बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। भीम आर्मी पदाधिकारियों का कहना है कि आंदोलन में सांसद चंद्रशेखर आजाद के भी शामिल होने की संभावना है। इस दौरान राजपाल चोटी, जिला अध्यक्ष रोहित वाल्मीकि, जिला उपाध्यक्ष दीपक गोठवाल, जिला महासचिव सुरजीत सिंह, जिला प्रभारी अशोक कुमार, जिला सचिव नरेंद्र वाल्मीकि, प्रवीन कुमार, ओमप्रकाश, रोहित भाटिया, बनवारी लाल और मोहम्मद इकबाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

शिवालय व काश्त की भूमि पर कब्जा करने की कोशिश का ग्रामीणों ने किया विरोध

पुलिस उप अधीक्षक से लगाई गुहार सौपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

स्टेट हाइवे पर स्थित शिवालय व धाभाईयो की ढाणी में काश्त ज़मीन पर कथित रूप से कब्जा करने की नियत से पहुंचे भू-माफिया के खिलाफ धाभाईयों की ढाणी के ग्रामीण जनों व क्षेत्र के नागरिकों ने विरोध व्यक्त करते हुए पुलिस से गुहार लगाई

तथा पुलिस उप अधीक्षक दिलीप मीणा को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया कि बुधवार को सुबह करीब डेढ़ दर्जन लोग शिवालय पर कब्जे करने की नियत से पहुंचे तथा काश्त की भूमि पर ट्रेक्टर चलाकर चने के चारे को बर्बाद कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों व नागरिकों को भनक लगने पर एकजुट होकर विरोध किया तो मौके चले गए। बाद में गांववासियों ने क्षेत्र के लोगों के साथ पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया तथा कार्यवाही की मांग की। यह जानकारी देते हुए एडवोकेट हरलाल धाभाई ने बताया कि इस अवसर पर श्यामकरण भातरा, पूर्व पार्षद हर्षनाथ नाहरिया, संदीप शर्मा,हरलाल धाभाई, फूलचंद धाभाई, श्यामकरण भातरा , बलराम , मनोज सैनी, नौरंग लाल, ओमप्रकाश, जगदीश, हीरालाल, मूलचंद, रणजीत, सुभाष, सचिन, महेश , रामकरण, अशोक, बनवारी लाल, गौरीशंकर , सुनील, योगेश सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

प्रशासन पहुँचा गाँव के द्वारः गिडानिया में सजी 'सांध्य चौपाल', ग्राम रथ के जरिए दी जनहितकारी योजनाओं की जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुँचाने और ग्रामीणों की समस्याओं के मौके पर समाधान के लिए बुधवार शाम चिड़ावा की गिडानिया ग्राम पंचायत में भव्य 'सांध्य चौपाल' का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता और झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस चौपाल में ग्रामीणों का उत्साह देखने को मिला। चौपाल के दौरान 'ग्राम रथ' विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसके माध्यम से मुख्यमंत्री की बजट घोषणाओं, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि से जुड़ी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक लाभ पहुँचाने के लिए संवेदनशीलता और

तत्परता से कार्य करें। विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि सांध्य चौपाल प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है।जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क, बिजली और पेंशन से जुड़ी अपनी समस्याएं रखीं। जिला कलेक्टर ने कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की। कार्यक्रम में जिला परिषद सीईओ कैलाश यादव, एसडीएम नरेश कुमार सोनी, समाज कल्याण उपनिदेशक डॉ. पवन पूनिया और जिला शिक्षा अधिकारी राजेश मील सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

खैरथल आयुक्त कार्यालय पर सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन, एडवोकेट केशव सिरोहीवाल ने दिया समर्थन

वेतन वृद्धि की मांग को लेकर जताया विरोध, प्रशासन से जल्द समाधान की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । खैरथल में सफाई कर्मचारियों ने अपनी वेतन वृद्धि की मांग को लेकर आयुक्त कार्यालय के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लिए कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की और प्रशासन से जल्द सुनवाई की मांग उठाई। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का कहना था कि महंगाई के इस दौर में मौजूदा वेतन से घर चलाना मुश्किल हो गया है, जबकि वे दिन-रात शहर को स्वच्छ रखने में जुटे रहते हैं। इसी दौरान राष्ट्रीय किसान महासभा राजस्थान के जिला अध्यक्ष एवं विधि प्रकोष्ठ खैरथल-तिजारा के एडवोकेट केशव सिरोहीवाल धरना स्थल पर पहुंचे और सफाई कर्मचारियों की मांगों को अपना समर्थन दिया। उन्होंने प्रदर्शनकारी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफाई कर्मचारी समाज की रीढ़ हैं। वे विपरीत परिस्थितियों में भी दिन-रात मेहनत कर शहर को स्वच्छ और स्वस्थ रखने का कार्य करते हैं। ऐसे में उन्हें सम्मानजनक और उचित वेतन मिलना उनका अधिकार

है। एडवोकेट सिरोहीवाल ने प्रशासन और सरकार से अपील की कि सफाई कर्मचारियों की जायज मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर वेतन वृद्धि का निर्णय जल्द से जल्द लिया जाए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के शोषण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और राष्ट्रीय किसान महासभा उनकी लड़ाई में पूरी तरह साथ खड़ी है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि मांगें शीघ्र पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने बताया कि वे लंबे समय से वेतन बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस वजह से उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। अब सभी की निगाहें प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

डायबिटीज के मरीज पर दवा जैसा असर करता है ये काला फल

गुठली से लेकर पत्ते तक हैं फायदेमंद

गर्मियों में शुगर के रोगियों के लिए एक बड़ा ही फायदेमंद फल आता है। जिसका नाम जामुन है। काला जामुन मधुमेह के रोगियों के लिए किसी दवा से कम नहीं है। आयुर्वेद में जामुन को बहुत ही फायदेमंद माना गया है। खासतौर से डायबिटीज को कंट्रोल करने में जामुन को असरदार माना जाता है। जामुन टॉयलेट और खून से शुगर की मात्रा को कम करता है। इसके अलावा जामुन पेट और डाइजेशन को बेहतर बनाने में भी असरदार साबित होता है। जामुन खाने से दांत, आंखें, चेहरे, किडनी स्टोन और लिवर के लिए भी फायदेमंद है। विटामिन और फाइबर से भरपूर जामुन शुगर में कैसे इस्तेमाल किया जाता है आइये जानते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो मधुमेह के रोगियों के लिए जामुन का सेवन बहुत फायदेमंद है। आयुर्वेद में जामुन के फल, गुठली और पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है।

डायबिटीज में जामुन का उपयोग

पहला तरीका– जामुन की गुठली को पीसकर चूर्ण बना लें। अब एक हिस्सा जामुन की गुठली का चूर्ण, एक हिस्सा शुण्ठी चूर्ण और इसमें दो हिस्सा गुड़मार बूटी मिक्स कर लें। सारी चीजों को पीसकर एक चूर्ण बना लें और छान लें। इस चूर्ण को एलोवेरा जूस में मिलाकर पी लें। आप चाहें तो इसकी गोलियां जैसी बनाकर दिन में 3 बार खा लें। इससे शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

दूसरा तरीका– करीब 100 ग्राम जामुन की जड़ लें और उसे अच्छी तरह से साफ कर लें। अब इसमें थोड़ा पानी मिलाकर पीस लें। तैयाप मिश्रण को 20 ग्राम मिश्री में मिला खा लें। सुबह शाम इस चूर्ण को खाने से मधुमेह में फायदा होगा।

तीसरा तरीका– 250 ग्राम पकी हुई जामुन लें और उन्हें आधा लीटर उबलते हुए पानी में डाल दें। थोड़ी देर उबलने के बाद जब पानी थोड़ा ठंडा हो जाए तो जामुन को मैश कर लें और इसे छान लें। अब इस पानी को दिन में 3 बार पिएं। इससे शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

चौथा तरीका– जामुन की छाल का उपयोग भी शुगर को कम करने के लिए किया जाता है। इसके लिए जामुन की छाल को को पीसकर राख बना लें। 625 मिलीग्राम से 2 ग्राम तक की मात्रा में राख का सेवन रोजाना करें। इससे मधुमेह को कम करने में मदद मिलेगी।

हेल्दी लिवर के लिए इन फूड्स को डाइट में करें शामिल

लिवर हमारे शरीर का एक बहुत ही जरूरी अंग है, जो डिटॉक्सिफिकेशन, पाचन और ऊर्जा संग्रहण जैसे काम करता है। लीवर समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विषहरण, चयापचय और पोषक तत्वों के भंडारण जैसे आवश्यक कार्य करता है। यदि आप लिवर को स्वस्थ बनाए रखना चाहते हैं, तो कुछ फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करना आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है।

हेल्दी लिवर के लिए फायदेमंद फूड्स :

लहसुन

लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। इसमें एलिसिन और सेलेनियम होता है, जो लिवर को साफ करता है। लीवर के स्वास्थ्य के लिए लहसुन से लाभ उठाने के लिए, इसे कच्चा, खाली पेट खाना सबसे अच्छा है, या इसे भोजन में शामिल करें। कच्चे लहसुन में एलिसिन होता है, जो एक यौगिक है जिसे खाना पकाने के दौरान पतला किया जाता है। प्रतिदिन 1–2 कच्चे लहसुन की कलियाँ या भोजन में 2–4 कलियाँ खाने की सलाह दी जाती है।

चुकंदर

चुकंदर खून को साफ करता है और लिवर फंक्शन को बेहतर करता है। इसमें बीटालाइन्स होते हैं, जो डिटॉक्स प्रक्रिया को सपोर्ट करते हैं। लीवर को स्वस्थ रखने के लिए चुकंदर को कच्चा, पकाकर या जूस के रूप में खाया जा सकता है। चुकंदर का जूस, खास तौर पर कच्चा, एंटीऑक्सीडेंट और बीटाइन का अच्छा स्रोत माना जाता है, जो लीवर को डिटॉक्सीफाई करने और इसके कामकाज को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियाँ

हरी पत्तेदार सब्जियाँ जैसे पालक, मेथी, सरसों—ये शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालती हैं। ये लिवर में बाइल (पित्त) प्रोडक्शन को बढ़ाती हैं। पत्तेदार सब्जियों को कच्चा या पकाकर खाया जा सकता है और इन्हें संतुलित आहार का हिस्सा होना चाहिए। आप इन्हें सलाद, स्मूदी या साइड डिश के रूप में शामिल कर सकते हैं। इन्हें भाप में पकाने, भूनने या तलने से इनका स्वाद और भी कोमल हो जाएगा।

एवोकाडो

एवोकाडो ग्लूटाथियोन नामक एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होता है, जो लिवर की सफाई करता है। एवोकाडो को कई तरह से खाया जा सकता है, जैसे कि टोस्ट पर फैलाकर डिप, सलाद या स्मूदी में इस्तेमाल करना। पौष्टिक और सेहतमंद नाश्ते या स्नैक के लिए मैश किए हुए एवोकाडो की एक पतली परत पूरे गेहूं के टोस्ट या क्रैकर्स पर फैलाएँ। अतिरिक्त स्वाद के लिए नींबू का रस निचोड़ें और काली मिर्च छिड़कें।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में कैटेचिन्स होते हैं, जो लिवर के फैट को कम करने में मदद करते हैं। ग्रीन टी के नियमित सेवन से सीरम एलानिन एमिनोट्रांस्फरेज और एस्पार्टेट एमिनोट्रांस्फरेज का मान कम हो जाएगा। लिवर के स्वास्थ्य के लिए, 1–2 कप ग्रीन टी पियें और फैटी लिवर को बढ़ने से रोकने के लिए दूध और चीनी मिलाने से बचें।

क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती है। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

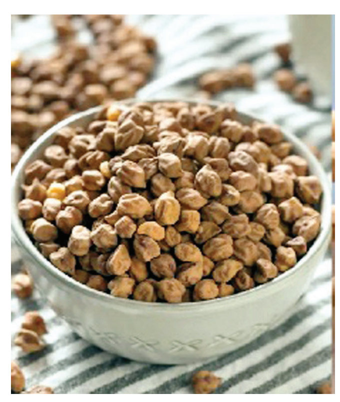

क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खान चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इस उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

पेट के लिए सबसे अच्छी मानी जाती हैं ये 5 चीजें

खाना का सीधा और सबसे पहले असर हमारी सेहत पर पड़ता है। हम जो भी खाते हैं वो पेट में जाकर पूरे शरीर में पहुंचता है। इसलिए खानपान पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। पिछले कुछ सालों में सबसे ज्यादा हमारा खाना बिगड़ा है। डाइट में जंग फूड, मैदा, चीनी, नमक की मात्रा बढ़ी है। खाने में केमिकल और प्रिजर्वेटिव्स की मिलावट होने लगी है। पैक्ड फूड का सेवन बढ़ा है, जो सेहत के लिए सबसे ज्यादा घातक है। अगर आप ज्यादा तीखा और चटपटा खाते हैं या ज्यादा तला भुना भोजन खाते हैं इससे पेट खराब हो सकता है। इसलिए आज हम आपको ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं जो पेट के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। इन चीजों को पेट के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। जानिए खाने में ऐसी क्या चीजें शामिल करनी चाहिए, जिससे पेट की सेहत और पाचन दुरुस्त हो।

पेट के लिए वरदान हैं ये 5 चीजें

दही– गट हेल्थ को बेहतर बनाने वाला सबसे अच्छा फूड है दही। रोजाना दही का सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। दही खाने से पेट में गुड बैक्टीरिया बढ़ते हैं। सुबह और दोपहर के खाने में दही को शामिल करना सबसे अच्छा माना जाता है।

साबुत अनाज– मोटा अनाज यानि साबुत अनाज को पेट

के लिए फायदेमंद माना जाता है। आप गेंहू, ओट्स, चावल और होल ग्रेन से बनी चीजें खा सकते हैं। ये चीजें पेट के लिए अच्छी होती हैं। इन चीजों में फाइबर ज्यादा होता है जिससे पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

केला– फलों में पका केला पेट के लिए बेहतरीन फल माना जाता है। केला में पौटेशियम पाया जाता है। केला खाने से पाचन बेहतर होता है और कई पेट से जुड़ी समस्याएं भी दूर हो जाती हैं। केला खाने से गैस्ट्रोइंटेस्टिनल समस्याएं भी कम होती हैं। इसलिए केला जरूर खाएं।

पपीता– पाचन को मजबूत बनाने के लिए पपीता जरूर खाएं। पपीता में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो पेट साफ कर कब्ज को दूर करते हैं। पपीते के एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाचन को बेहतर बनाते हैं। खाना पचाने से लेकर हार्टबर्न और अपच की समस्याएं इससे दूर होती हैं।

अदरक– पेट के लिए अदरक को भी अच्छा माना जाता है। जिन लोगों को जी मिचलाने या पेट में दर्द की समस्या होती है उन्हें अदरक का सेवन करना चाहिए। मॉर्निंग सिकनेस को खत्म करने में भी अदरक असरदार साबित होती है। डाइट में किसी तरह अदरक जरूर शामिल करें।

अस्थमा के मरीज भूलकर भी न करें इन चीजों का सेवन

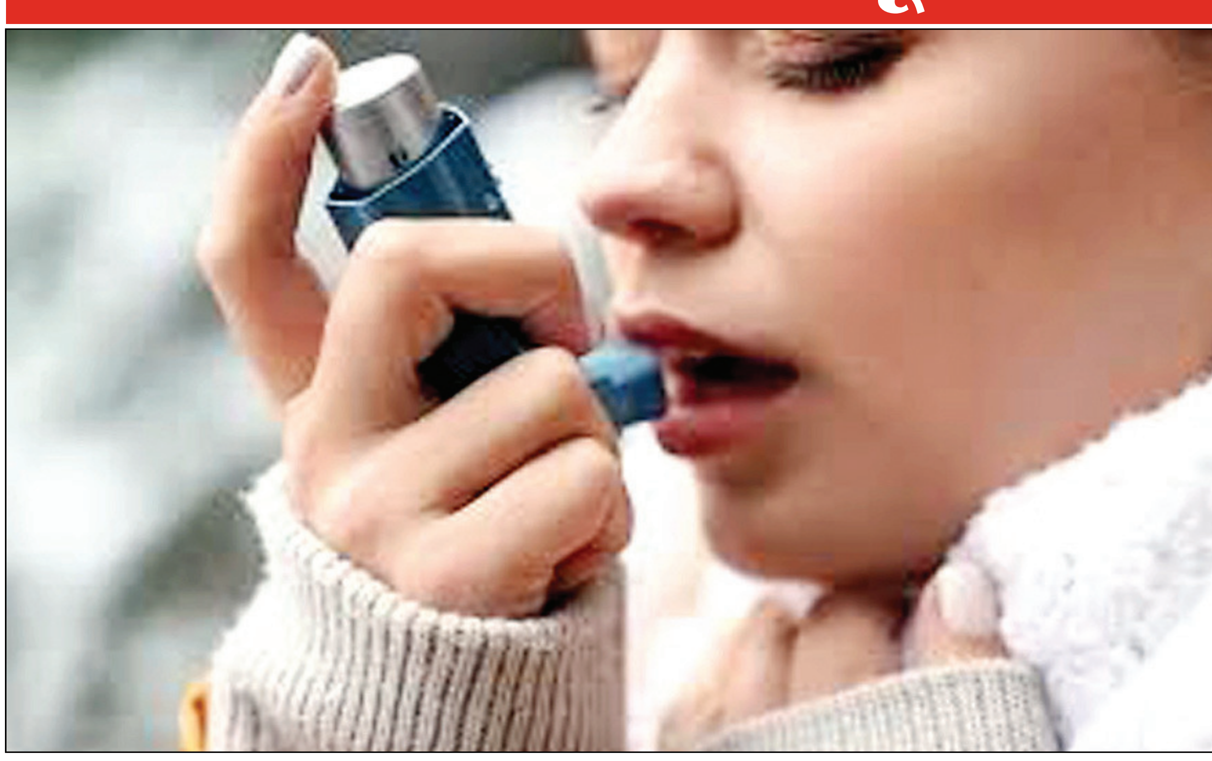

अस्थमा सांस से जुड़ी गंभीर बीमारी है।यह बीमारी हमारे श्वसन तंत्र को बुरी तरह प्रभावित करती है। एक आंकड़े के अनुसार साल 2050 तक अस्थमा रोगियों की संख्या तीन गुना बढ़ जाएगी। अस्थमा कभी भी किसी को भी अचानक अपनी गिरफ्त में ले सकता है। इस लिए जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 6 मई को वर्ल्ड अस्थमा डे; मनाया जाता है।

अस्थमा के मरीजों को अपनी डाइट का बेहद ख्याल रखना चाहिए। डाइट में लापरवाही करने पर यह बीमारी तेजी से ट्रिगर होती है। अस्थमा के मरीजों को कुछ चीजों को खाने से परहेज़ करना चाहिए, क्योंकि ये चीजें एलर्जी ट्रिगर, सूजन बढ़ाने, या श्वसन मार्ग को संकुचित करने का कारण बन सकती हैं। नीचे कुछ ऐसी चीजें दी गई हैं जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूरी बनानी चाहिए :

इन चीज़ों से बनाएं दूरी :

प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड : जो लोग प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड का सेवन ज़्यादा करते हैं उनमें अस्थमा का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में संतृप्त वसा पाया जाता है। जो इम्यूनिटी को कमजोर कर देता है। इनमें सल्फाइट्स, प्रिज़रवेटिव्स और आर्टिफिशियल फ्लेवर भी होते हैं जो अस्थमा को ट्रिगर कर सकते हैं।

ठंडी चीज़ें : आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक्स जैसी ठंडी चीज़ों से भी अस्थमा के मरीजों को दूरी बनानी चाहिए। ठंडा खाने या पीने से गले और फेफड़ों की नलियों में सिकुड़न हो सकती है, जिससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।

शराब का सेवन : शराब और बियर में सल्फाइट्स मिलाए जाते हैं। जिससे कि यह काफी समय तक खराब न हो। वहीं यह सल्फाइट्स अस्थमा के रोगियों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

डेयरी उत्पाद : दूध, चीज़, मक्खन जैसे डेरी प्रोडक्ट्स अस्थमा के मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।कुछ लोगों को डेयरी से म्यूकस (कफ) ज्यादा बनने लगता है, जिससे सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

कॉफी– अगर इम्यून सिस्टम कमजोर है तो कॉफी का सेवन नहीं करना चाहिए। कॉफी में मौजूद कैफीन एसिड रिफलेक्स को बढ़ा देती है। वहीं दमा के कुछ मरीजों में कॉफी का सेवन करने से फूड प्वाइजनिंग हो सकता है।

बीडीके अस्पताल में 'आग' की सूचना पर मचा हड़कंप: 5 मिनट में पहुंची टीमें, दो 'घायलों' का हुआ सफल रेस्क्यू

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

गर्मी और हीटवेव के खतरों को देखते हुए गुरुवार शाम झुंझुनूं के सबसे बड़े बीडीकेअस्पताल में हाई-लेवल फायर सेफ्टी मॉकड्रिल आयोजित की गई। शाम करीब 5 बजे जैसे ही अस्पताल की मॉर्च्युरी में आग लगने और दो लोगों के झुलसने की खबर फैली, पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। हालांकि, यह महज एक युद्धाभ्यास था, जिसमें प्रशासन की मुस्तैदी को परखा गया। सूचना मिलते ही प्रशासन और बचाव टीमें एक्शन मोड में आ गईं। महज 5 मिनट के भीतर दमकल की गाड़ियां, एंबुलेंस, पुलिस प्रशासन, आरएसी टीम और तहसीलदार मौके पर पहुंच गए। दमकल कर्मियों ने फुर्ती दिखाते हुए आग पर काबू पाया और धुएं के बीच फंसे दो 'सांकेतिक' घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर तुरंत इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया। सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार आज जिले के सभी सरकारी और 70 से अधिक निजी अस्पतालों में एक साथ यह मॉकड्रिल आयोजित की गई। पीएमओ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने कहा कि इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य विभागों के बीच तालमेल बिठाना, अग्निशमन उपकरणों की जांच करना और स्टाफ को आपात स्थिति में बिना घबराए काम करने का प्रशिक्षण देना था। इस सफल ऑपरेशन में तहसीलदार महेंद्र मूंड और कोतवाल श्रवण कुमार सहित भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

अपनी जनगणना-अपना विकास: कस्बे में गूंजा स्व-गणना का संदेश, एसडीएम ने दिखाई जागरूकता रथ को हरी झंडी

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । देश की पहली डिजिटल जनगणना 2027 को लेकर अब मरुधरा के आंगन में भी तकनीक और जन-भागीदारी का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। जनगणना के इस महाअभियान को पूरी तरह सफल बनाने और आमजन को इस प्रक्रिया से सीधे जोड़ने के लिए प्रशासन ने अब कमर कस ली है। इसी कड़ी में उपखण्ड जनगणना अधिकारी और एसडीएम मनीषा रेशम के कुशल निर्देशन में कस्बे के नगर पालिका परिसर से स्व-गणना जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ अब गली-मोहल्लों और चौपालों तक जाकर ग्रामीणों को डिजिटल जनगणना की बारीकियों से रूबरू करवाएगा। चार्ज जनगणना अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया कि राजस्थान में 1 मई से 15 मई 2026 तक आम नागरिकों को प्रथम चरण के मकान सूचीकरण और भवन गणना में खुद की जानकारी खुद भरने का सुनहरा अवसर प्रदान किया गया है। इसके लिए सरकार ने बाकायदा एक डिजिटल लिंक http://se.census.gov.in जारी किया है, जहां जाकर कोई भी परिवार का मुखिया अपने मकान की बनावट, फर्श, छत की सामग्री से लेकर घर में मौजूद सुविधाओं जैसे पानी, बिजली, शौचालय, रसोई गैस और वाहनों की सटीक जानकारी दर्ज कर सकता है। इस पूरी प्रक्रिया में कुल 33 प्रश्न शामिल किए गए हैं, जो परिवार के रहन-सहन और संसाधनों का वास्तविक दर्पण होंगे। प्रकोष्ठ प्रभारी रोहिताश कुमार शर्मा के अनुसार, जागरूकता रथ को विशेष रूप से ग्रामीण परिवेश की समझ के अनुसार तैयार किया गया है। रथ में लगे ऑडियो सिस्टम के माध्यम से गीतों और संवादों के जरिए जनगणना के सभी 33 सवालों के जवाब देने का तरीका समझाया जा रहा है। रथ पर चस्पा आकर्षक फ्लैक्स और बैनर 'स्व-गणना में भागीदारी, हम सब की है जिम्मेदारी' के ध्येय वाक्य को साकार कर रहे हैं। गौरतलब है कि इस बार प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को भी विशेष डिजिटल प्रशिक्षण दिया गया है ताकि डेटा संकलन में रत्ती भर भी चूक न हो।

उद्घाटन के इस मौके पर संगीता, रामलखन, अरुण सिंह, आशीष, हेमराज, रोहिताश, संत कुमार, यतेश रावत और महेश सैन सहित कई प्रगणक, सुपरवाइजर और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। प्रशासन की इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देश्य यह है कि हर नागरिक अपनी जवाबदेही समझे और डिजिटल इंडिया के इस दौर में अपने परिवार का सही ब्यौरा सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज कराए, ताकि भविष्य की जनकल्याणकारी योजनाओं का ढांचा इसी सटीक डेटा के आधार पर तैयार किया जा सके। 15 मई तक यह रथ नगर पालिका क्षेत्र के कोने-कोने में जाकर अलख जगाएगा।

मंडावा सीएचसी में फायर सेफ्टी को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित

बढ़ती गर्मी के बीच शॉर्ट सर्किट और एसी ब्लास्ट से सतर्क हुआ स्वास्थ्य विभाग

मंडावा सरकारी अस्पताल में परखी गई 'सुरक्षा की सेहत'

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावा में गुरुवार को फायर सेफ्टी को लेकर व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। बढ़ती गर्मी के बीच शॉर्ट सर्किट और एसी ब्लास्ट जैसी संभावित घटनाओं को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर नजर आया। अस्पताल परिसर में सायरन बजाकर आपात स्थिति का माहौल बनाया गया और आग लगने की काल्पनिक स्थिति में मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभ्यास किया गया। इस दौरान वार्ड बॉय, नर्सिंग स्टाफ और अस्पताल कर्मियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन में तेजी और सतर्कता का प्रदर्शन किया। मॉक ड्रिल के दौरान अग्निशमन उपकरणों की कार्यक्षमता भी जांची गई और अस्पताल के फायर सेफ्टी सिस्टम को परखा गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 4 मई से 10 मई तक जिलेभर में 'फायर सेफ्टी वीक' मनाया जा रहा है, जिसकी थीम रखी गई है– 'सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक।? सीएचसी प्रभारी डॉ. विनोद राहड़ ने बताया कि इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य अस्पताल स्टाफ को आपात परिस्थितियों के लिए पूरी तरह तैयार करना है ताकि किसी भी आकस्मिक घटना में जनहानि को रोका जा सके।

फिलहाल मंडावा अस्पताल में आयोजित यह मॉक ड्रिल सफल रही और इससे अस्पताल की आपदा प्रबंधन क्षमता को और मजबूत करने का संदेश मिला है। इस अवसर पर डॉ राजेश कुमार, फार्मासिस्ट राजेश पुनिया, सुरेश सैनी सहित अन्य स्टाफ के कार्मिक उपस्थित रहे।

मंडावर-महवा के रेल यात्रियों को बड़ी सौगात, अब पटरियों पर दौड़ेगी 'जोधपुर-मऊ अमृत भारत एक्सप्रेस

मंडावर-महवा रोड सहित कई स्टेशनों पर होगा ठहराव, क्षेत्र के विकास को लगेंगे पंख

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । क्षेत्र के रेल यात्रियों के लिए खुशियों की सौगात लेकर रेलवे मंत्रालय ने एक बड़ा फैसला लिया है, जिससे मंडावर-महवा रोड सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में हर्ष की लहर दौड़ गई है। लंबे समय से स्पेशल ट्रेन के रूप में संचालित हो रही जोधपुर-मऊ स्पेशल (04823/24) को अब नियमित ट्रेन के रूप में संचालन की हरी झंडी मिल गई है। अब यह ट्रेन 'जोधपुर-मऊ अमृत भारत एक्सप्रेस' (14809/10) के नए नाम और नंबर के साथ पटरियों पर रफ्तार भरेगी। रेलवे के इस फैसले से न केवल यात्रियों का सफर सुहाना होगा, बल्कि व्यापारिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। जारी समय सारणी के अनुसार, गाड़ी संख्या 14809 जोधपुर-मऊ अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार को शाम 17:00 बजे जोधपुर से प्रस्थान करेगी, जो रात 00:53 बजे बांदीकुई, रात 02:05 बजे भरतपुर, सुबह 04:00 बजे मथुरा जंक्शन और दोपहर 11:45 बजे कानपुर सेंट्रल होते हुए सोमवार रात 23:20 बजे मऊ पहुंचेगी। वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 14810 मऊ-जोधपुर अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक मंगलवार को तड़के 04:00 बजे मऊ से रवाना होकर सुबह 06:30 बजे शाहगंज, दोपहर 13:50 बजे कानपुर सेंट्रल, रात 20:20 बजे मथुरा और मध्यरात्रि 00:30 बजे बांदीकुई होते हुए बुधवार सुबह 08:00 बजे जोधपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन की सबसे बड़ी खासियत इसके महत्वपूर्ण व्यावसायिक ठहराव हैं।

यह सुपरफास्ट एक्सप्रेस पीपाड़ रोड जंक्शन, गोटन, मेड़ता रोड, रेण, डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी, नावां सिटी, फुलेरा, जयपुर, गांधीनगर जंक्शन, बांदीकुई और मंडावर महवा रोड जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रुकेगी। इसके अलावा खेरली, नदबई, मथुरा, भरतपुर, हाथरस सिटी, कासगंज, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, अयोध्या, अयोध्या कैंट, शाहगंज, खोरासन रोड, आजमगढ़ और मोहम्मदाबाद स्टेशनों के यात्रियों को भी इस ट्रेन का सीधा लाभ मिलेगा। रेलवे के इस कदम से क्षेत्र के बाशिंदों को उत्तर प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान के प्रमुख धार्मिक व व्यावसायिक केंद्रों तक पहुंचना अब और भी आसान हो जाएगा। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने इस नियमित ट्रेन सेवा के लिए रेल प्रशासन का आभार जताया है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकास और स्वच्छता की नई पहचान बना राजस्थान : के.के. गुप्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान विकास, पारदर्शिता और सुशासन की नई पहचान बना रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को 'सच्चा जननायक' बताते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। गुरुवार को जैसलमेर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित स्वच्छ भारत मिशन की बैठक में गुप्ता ने नगर निकायों को स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग के लिए दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल ने गुप्ता के कार्यों की सराहना की। गुप्ता ने कहा कि सरकार सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने निकायों को घर-घर कचरा संग्रहण, नाइट स्वीपिंग, सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई, प्लास्टिक पर रोक और खाली प्लॉटों की सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निकायों को कार्य प्रदर्शन के आधार पर ए, बी, सी और डी श्रेणी में बांटा जाएगा तथा लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी। साथ ही शहरों में स्ट्रीट लाइट, पार्कों की सफाई, सड़कों की मरम्मत और सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में पोकरण और जैसलमेर नगर निकायों के लिए स्वच्छता प्रभारी एवं सह प्रभारी भी नियुक्त किए।

खांदवा गांव की अनूठी पहल: किन्नर समाज की बधाई राशि तय, ग्रामीणों को मिलेगी राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

बुहाना क्षेत्र के खांदवा गांव में सामाजिक समरसता और आपसी सहमति का एक अनूठा उदाहरण सामने आया है। गांव की ग्राम विकास समिति की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए किन्नर समाज को खुशी के अवसरों पर दी जाने वाली बधाई राशि निर्धारित कर दी गई। इस फैसले का उद्देश्य परंपरा और सम्मान को बनाए रखते हुए ग्रामीणों को अनावश्यक आर्थिक दबाव से राहत देना बताया गया है।प्रशासक प्रतिनिधि ओमप्रकाश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम विकास समिति की बैठक में लंबे विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया। समिति द्वारा तय किए गए नियमों के अनुसार गांव में कुआं पूजन जैसे शुभ अवसर पर किन्नर समाज को 1100 रुपये तथा शादी-ब्याह के कार्यक्रमों में 2100 रुपये की बधाई राशि दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह राशि केवल एक सहमति आधारित व्यवस्था है। यदि कोई परिवार अपनी खुशी और श्रद्धा से इससे अधिक राशि देना चाहता है तो उस पर किसी प्रकार की रोक नहीं रहेगी। गांव की इस पहल को सामाजिक संतुलन और पारदर्शिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ग्राम विकास समिति के सदस्य महावीर प्रसाद ने कहा कि भारतीय संस्कृति में खुशी के अवसरों पर दान-पुण्य और बधाई देने की परंपरा सदियों पुरानी है। किन्नर समाज को सम्मान देना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है, लेकिन कई बार यह परंपरा दबाव और दिखावे का रूप ले लेती है, जिससे सामान्य परिवारों को परेशानी उठानी पड़ती है। नई व्यवस्था से सम्मान और मर्यादा दोनों कायम रहेंगे। ग्रामीणों ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे गांव में आपसी सौहार्द बढ़ेगा और सामाजिक आयोजनों में अनावश्यक विवाद की स्थिति नहीं बनेगी। लोगों का मानना है कि इस तरह की स्पष्ट व्यवस्था से किन्नर समाज और ग्रामीणों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा। खांदवा गांव की इस पहल की आसपास के क्षेत्रों में भी चर्चा हो रही है और इसे सामाजिक समझदारी व सामूहिक निर्णय का सकारात्मक उदाहरण माना जा रहा है।

किसान सम्मान समारोह में नई तकनीक और ट्रैक्टरों की जानकारी दी

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

विधानसभा क्षेत्र के सीकर रोड पर स्थित नांगल रिपोर्ट में क्षेत्र किसानों के लिए उदयपुरवाटी में सचिन मोटर्स फार्मट्रैक द्वारा किसान सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और आधुनिक कृषि उपकरणों एवं ट्रैक्टरों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एल.आर. मीणा ने किसानों को संबोधित करते हुए ट्रैक्टरों के सही उपयोग और आधुनिक तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार सही तरीके से ट्रैक्टर का उपयोग कर किसान अपनी खेती की उत्पादकता बढ़ा सकते हैं और लागत को कम कर सकते हैं। समारोह के दौरान फार्मट्रैक सीरीज के नए ट्रैक्टरों का भव्य लॉन्च भी किया गया, जिसे किसानों ने खासा सराहा। किसानों ने नए मॉडल्स के फीचर्स और उपयोगिता के बारे में जानकारी ली और विशेषज्ञों से अपने सवालों के जवाब भी प्राप्त किए। इस अवसर पर सचिन मोटर्स फार्मट्रैक के संचालक सुखदेव सिंह निमड़ के नेतृत्व में पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। उन्होंने उपस्थित किसानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य किसानों को नई तकनीकों से जोड़ना और उन्हें बेहतर कृषि समाधान उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में आए किसानों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन उन्हें आधुनिक खेती की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

जे जे टी यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर डॉ. मधु गुप्ता ने किया खेलता-बढ़ता स्टेडियम लुमास का निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के निकटवर्ती गग्राम लुमास स्थित 'खेलता-बढ़ता स्टेडियम' में संचालित फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण करने के लिए जे जे टी यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर डॉ. मधु गुप्ता पहुंचीं। इस दौरान ग्रामवासियों ने यूनिवर्सिटी से आई टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा स्टेडियम में चल रही खेल गतिविधियों और विकास कार्यों की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान डॉ. मधु गुप्ता ने मैदान में अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों से मुलाकात की और ग्रामीणों द्वारा सामूहिक सहयोग से विकसित किए गए खेल मैदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि झुंझुनूं के ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार का खेल मैदान प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेलों से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है तथा वे स्वस्थ और अनुशासित बनते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को खेलों में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। डॉ. गुप्ता ने खिलाड़ियों को जे जे टी यूनिवर्सिटी आने का निमंत्रण देते हुए कहा कि बच्चे यूनिवर्सिटी परिसर और वहां की खेल सुविधाओं का अवलोकन करें, ताकि उन्हें उच्च शिक्षा और खेल के बेहतर अवसरों की जानकारी मिल सके। उन्होंने यह भी घोषणा की कि लुमास के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए जे जे टी यूनिवर्सिटी की टीम के साथ फ्रेंडली मैच आयोजित करवाए जाएंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि जे जे टी यूनिवर्सिटी भविष्य में भी ग्रामीण प्रतिभाओं और खेल गतिविधियों के विकास में हरसंभव सहयोग करती रहेगी। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा, सावरमल गोदारा, बाबूलाल सैनी, नरेंद्र सिंह शेखावत (फौजी), दीपक कोच, कुलदीप कोच सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्था प्रधान स्कूल के कैलाश चंद्र जागिड़ ने किया।

ग्राम रथ अभियान से बदली मोनू सिंह की खेती की दिशा

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

ग्राम राजपुरा निवासी किसान मोनू सिंह पुत्र सुमेर सिंह के लिए राज्य सरकार का ग्राम रथ अभियान नई उम्मीद लेकर आया है। पहले उन्हें कृषि विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी नहीं थी, जिसके कारण वे इन योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे थे।मोनू सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा संचालित एलईडी मोबाइल वैन आधारित जन-जागरूकता कार्यक्रम 'ग्राम रथ अभियान' के माध्यम से उन्हें कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी अनेक योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। अभियान के दौरान फार्म पॉन्ड, तारबंदी, सिंचाई पाइपलाइन, गोवर्धन जैविक योजना, फव्वारा (स्प्रिंकलर) संयंत्र, ड्रिप संयंत्र तथा सौर ऊर्जा जैसी योजनाओं के बारे में सरल और प्रभावी तरीके से जानकारी दी गई।उन्होंने कहा कि अब वे इन योजनाओं का लाभ लेकर अपनी खेती में आधुनिक तकनीकों को अपनाने और कृषि उत्पादन बढ़ाने की दिशा में कार्य करेंगे। मोनू सिंह ने किसानों तक योजनाओं की जानकारी पहुँचाने के लिए राज्य सरकार एवं कृषि विभाग का आभार व्यक्त किया।

अस्पताल में लगायें पक्षियों के लिए परिंडे

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मिर्जवास में गुरुवार को परिंडे लगाये गये। यह जानकारी देते हुए सीनियर नर्सिंग ओफीसर वीरेंद्र जाखड़ ने बताया कि अस्पताल परिसर में पेड़ पौधों के नीचे छांव में पक्षियों के पानी हेतु परिंडे लगाये तथा अनाज की व्यवस्था की गई ।इस अवसर पर डॉ विशाल महला विमला देवी जाखड़ बबीता महरिया प्रदीप मीणा महेश गुर्जर सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा। उपस्थित जनों ने उक्त व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने का निर्णय लिया।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर 10 को

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार 10 मई को नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर तोदी कालेज रोड स्थित न्यू टैगोर शिक्षण संस्थान में प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होगा। शिविर में अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों द्वारा आंखों की आधुनिक मशीनों से जांच की जाएगी तथा मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों का चयन कर नि:शुल्क ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में आने वाले मरीजों को परामर्श, जांच, ऑपरेशन, भोजन एवं रहने की सुविधा भी नि:शुल्क प्रदान की जाएगी।

हरियाणा सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत: आरती सिंह राव

खातोदड़ा में खुलेगा नया स्वास्थ्य केंद्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.महेंद्रगढ़।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। महेंद्रगढ़ जिला के गांव खातोदड़ा में नया स्वास्थ्य केंद्र खोलने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि गांव खातोदड़ा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) स्थापित किया जाएगा। इस स्वास्थ्य केंद्र के शुरू होने से आसपास के गांवों के हजारों लोगों को बेहतर और समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक को उसके नजदीक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों, ताकि लोगों को उपचार के लिए दूर-दराज के शहरों में न जाना पड़े। नए स्वास्थ्य केंद्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, सामान्य रोगों का उपचार, प्राथमिक जांच तथा आवश्यक दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने के लिए निरंतर नए अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र और चिकित्सा सुविधाएं विकसित कर रही है। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता दे रही है, जिससे आम जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने विश्वास जताया कि इस स्वास्थ्य केंद्र के शुरू होने से महेंद्रगढ़ जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और अधिक मजबूत होगी तथा लोगों को राहत मिलेगी।

गढ हिम्मतसिंह में भारी पुलिस जाप्ते के बीच दर्जनों खसरों की हुई पत्थरगढी

तहसीलदार के आदेश पर राजस्व टीम ने नापी जमीन, विरोध की आशंका के चलते छावनी बना रहा गांव

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड क्षेत्र के ग्राम गढ हिम्मतसिंह में बुधवार को प्रशासन और राजस्व विभाग की बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मच गया, जहाँ लंबे समय से चल रहे सीमा विवादों को निपटाने के लिए भारी पुलिस अमले की मौजूदगी में जमीन की पैमाइश कर पत्थरगढी की गई। तहसीलदार मंडावर के आदेश क्रमांक-भू.अ./2026/713 की पालना में गठित विशेष राजस्व टीम ने गांव के विभिन्न आराजी खसरा नंबरों पर पहुंचकर जरीब चलाई और सरहदों का निर्धारण किया। कार्रवाई के दौरान किसी भी संभावित विरोध या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मंडावर थाने सहित दौसा रिजर्व पुलिस लाइन का करीब बीस से पच्चीस महिला व पुरुष जवानों का भारी जाब्ता तैनात रहा, जिससे पूरा इलाका छावनी में तब्दील नजर आया।

राजस्व टीम ने ग्राम गढ हिम्मतसिंह के खसरा नंबर 529, 464/1024, 464/1026, 528/1041 सहित करीब डेढ़ दर्जन खसरों पर मौके पर पहुंचकर कार्रवाई को अंजाम दिया। तहसीलदार के आदेशानुसार प्रभु सैनी बनाम सरकार, दीनदयाल बनाम सरकार, छोटेलाल बनाम सरकार, बद्री सैनी बनाम सरकार, ताराचंद बनाम सरकार और गुड्डू सैनी बनाम सरकार के प्रकरणों में मुस्तकिल बिंदुओं से जरीब चलाकर पक्के निशानात लगवाए गए। गिरदावर सुभाष मीणा व नीरू बाई मीणा के नेतृत्व में पहुंची टीम ने मौके पर ही पत्थरगढी करवाकर बरसों पुराने सीमा ज्ञान के विवाद को सुलझाया। कार्रवाई के दौरान पटवारी प्रज्ञा शर्मा, हितेश, चेतराम और सुरज्ञान पटवारी ने बारीकी से पैमाइश कर फर्द मौका रिपोर्ट तैयार की, जिस पर उपस्थित पक्षकारों के हस्ताक्षर करवाए गए।

मंडावा में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में टॉप-10 छात्र सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे की सामाजिक संस्था श्री गांधी जनकल्याण समिति की ओर से बुधवार को वार्ड 17 स्थित बाल भारती विद्या निकेतन में विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह में भाजपा नेता सज्जनलाल शर्मा, शिक्षाविद् एचपी नेमीवाल, मांगेराम दहिया, स्कूल निदेशक राजेन्द्र सनोदिया तथा कार्यक्रम संयोजक सूर्यप्रकाश लाहोरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के बौद्धिक ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का भी विकास करती हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन प्रत्येक विद्यालय में नियमित रूप से होने चाहिए, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव हो सके। कार्यक्रम प्रायोजक सूर्यप्रकाश लाहोरा ने समिति द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि संस्था भविष्य

में भी विद्यार्थियों के हित में ऐसे आयोजन करती रहेगी। प्रतियोगिता में करीब 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉप-10 विद्यार्थियों में दिवांशु मारवाल, आईना चावला, अभि चावला, सोमिया भार्गव, विराज छापोला, रितेश छापोला, तनवी सैनी, पूर्वी प्रजापति, चित्रा नायक एवं मधु सैनी शामिल रहे। विजेता विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा माला पहनाकर एवं पाठ्य सामग्री भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पल्लवी मिश्रा एवं उमा पारासर ने किया, जबकि अंत में प्रमोद कुमार कटारिया ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

श्री सोमनाथ मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के 75 वर्ष पूर्ण होने पर मनाया जाएगा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

11 मई को देशभर के शिवालयों में मनेगा भव्य उत्सव

सार्वजनिक स्थानों, रेलवे स्टेशनों और मॉल की डिजिटल स्क्रीन पर लाइव स्ट्रीमिंग की होगी व्यवस्था

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

भारत की आध्यात्मिक चेतना के केंद्र बिंदु, श्री सोमनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के 75 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर आगामी 11 मई को संपूर्ण देश सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाने जा रहा है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान जिला महेंद्रगढ़ में भी इस पर्व को धूमधाम से मनाने की तैयारी है। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि यह पर्व केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की अटूट आस्था और सांस्कृतिक गौरव के पुनर्जागरण का प्रतीक है। इस विशेष दिन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए प्रमुख शिव मंदिरों में कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। इस महोत्सव का मुख्य आकर्षण गुजरात के सोमनाथ में आयोजित होने वाला राष्ट्रीय कार्यक्रम होगा। इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा। सरकार की योजना है कि जन-जन को इस गौरवशाली पल का साक्षी बनाया जाए। इसके लिए सुबह 10 से दोपहर 12 बजे के बीच प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, रेलवे स्टेशनों और मॉल की डिजिटल स्क्रीन पर लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था की जा रही है। इस राष्ट्रव्यापी उत्सव में काशी विश्वनाथ, महाकालेश्वर और केदारनाथ जैसे ज्योतिर्लिंगों सहित देश के अन्य सभी प्रमुख शिवालयों को

दीपमालाओं और फूलों से सजाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि स्थानीय स्तर पर कलश यात्राओं का आयोजन होगा, जिसमें महिलाओं की विशेष भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही नदियों के पवित्र जल के संग्रहण और अर्पण की परंपरा को भी पुनर्जीवित किया जाएगा। नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के लिए इस अवसर पर भजन-कीर्तन, ओंकार जाप और शिव तांडव जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर जनभागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर हैशटैग्स के जरिए युवा अपनी आस्था को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर साझा कर सकेंगे। यह पर्व न केवल सोमनाथ की ऐतिहासिक गाथा को दोहराएगा, बल्कि अमृत काल में भारत की सांस्कृतिक एकता और अखंडता को भी एक नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

कोथल खुर्द में आर्मड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट बनाने की योजना

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने प्रस्तावित भूमि का किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला के गांव कोथल खुर्द में आर्मड फोर्सेज प्रिपरेटरी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना के लिए उपायुक्त अनुपमा अंजली ने आज मौके पर पहुंचकर प्रस्तावित स्थलों का दौरा किया और उपलब्ध भूमि का जायजा लिया। उनके साथ महेंद्रगढ़ के एसडीएम योगेश सैनी भी मौजूद थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार लगभग 10 से 15 एकड़ भूमि का प्रस्ताव तैयार कर जल्द से जल्द मुख्यालय भेजा जाए। इस मौके पर डीडीपीओ प्रमोद कुमार, तहसीलदार अजय कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

महिला सेवा समिति ने पीतलिया बालाजी व मोक्षधाम में बांधे परिंडे

चिलचिलाती धूप में पक्षियों की प्यास बुझाने का लिया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । भीषण गर्मी के इस दौर में जहाँ सूरज के तीखे तेवर आमजन को बेहाल कर रहे हैं, वहीं बेजुबान पक्षियों के लिए महवा की महिलाओं ने ममता का आंचल फैलाया है। महिला सेवा समिति महवा की ओर से बुधवार को एक अनुकरणीय पहल करते हुए पक्षियों के लिए 'दाणा-पाणी' अभियान के तहत कस्बे के विभिन्न स्थानों पर परिंडे बांधे गए। समिति की जुझारू महिलाओं ने पीतलिया बालाजी मंदिर परिसर और मोक्षधाम परिसर में पहुंचकर सकोरे और परिंडे लगाए, ताकि आसमान से बरसती आग के बीच बेजुबान पक्षी अपनी प्यास बुझा सकें। सेवा भाव से लबरेज इन महिलाओं ने न केवल परिंडे बांधे, बल्कि नियमित रूप से उनमें पानी भरने और उनकी देखरेख करने का संकल्प भी लिया। समिति सदस्यों का कहना है कि

मानवीय संवेदनाओं का तकाजा है कि इस भीषण उमस और लू के बीच हम अपनी छतों और सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करें। इस पुण्य कार्य के दौरान रेनू अग्रवाल, ममता खण्डेलवाल, गीता बडाया, कविता माणिक, सुधा माणिक, विमला देवी, सरोज गुप्ता, अन्जू गोयल और हीना खण्डेलवाल सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति मौजूद रही।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मदर्स डे

भीम प्रज्ञा न्यूज.निजामपुर।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में शनिवार को मदर्स डे बड़े ही उत्साह, उमंग और भावनात्मक माहौल के बीच मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों, माताओं और विद्यालय परिवार की शानदार भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव एवं वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर उपस्थित अभिभावकों का मन मोह लिया। बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें टावर मेकिंग, कप जूस चैलेंज, ताश पत्ता गेम, बैलून फुलाओ, ग्लास गिराओ और म्यूजिकल पेपर जैसे गेम्स विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इन गतिविधियों में बच्चों के साथ-साथ माताओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे कार्यक्रम में उत्साह का माहौल बना रहा। प्रथम कक्षा के विद्यार्थियों ने रंगारंग डांस प्रस्तुति देकर तालियां बटोरीं। वहीं छोटे बच्चों ने अपनी माताओं के सम्मान में भावपूर्ण स्पीच प्रस्तुत कर सभी को भावुक कर दिया। बच्चों द्वारा व्यक्त किए गए प्रेम और सम्मान ने कार्यक्रम को भावनात्मक रंग प्रदान किया।

माताओं के लिए भी विशेष गेम्स आयोजित किए गए, जिनमें उन्होंने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में लकी ड्रॉ का आयोजन भी किया गया, जिसमें तीन

भाग्यशाली माताओं को आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया गया। विजेता माताओं को मंच पर सम्मानपूर्वक दुपट्टा ओढ़ाकर एवं गिफ्ट भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके साथ डांस प्रस्तुति भी करवाई गई, जिससे माहौल पूरी तरह उत्सवमय हो गया। विद्यालय परिवार की ओर से सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएँ देते हुए उनके प्रेम, त्याग, समर्पण और परिवार निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को नमन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि मां का स्थान जीवन में सबसे ऊंचा होता है और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में माताओं की भूमिका सबसे अहम होती है।इस अवसर पर संस्था के प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव, प्राचार्य अजीत सिंह, वाइस प्रिंसिपल प्रवीण कुमार शर्मा, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी, कोर्डिनेटर रितु शर्मा, धर्मवीर, भावेश गोयल सहित समस्त विद्यालय स्टाफ, विद्यार्थी एवं अभिभावकगण उपस्थित रहें।

डीसी ने राजकीय स्कूल कौथल खुर्द का किया निरीक्षण

स्कूल में रोशनी और खाने की गुणवत्ता पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं: उपायुक्त अनुपमा अंजली

भीम प्रज्ञा न्यूज.महेंद्रगढ़।

शिक्षा की गुणवत्ता और सरकारी स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेने के लिए उपायुक्त अनुपमा अंजली ने आज राजकीय विद्यालय कौथल खुर्द का औचक निरीक्षण किया। उपायुक्त ने कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त को कुछ कक्षाओं में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था नहीं मिलने पर प्राचार्य को तुरंत प्रभाव से सभी कक्षाओं में अतिरिक्त लाइट लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों के पढ़ने के स्थान पर रोशनी का उचित प्रबंध होना अनिवार्य है ताकि वे बिना किसी कठिनाई के अपनी पढ़ाई कर सकें। उपायुक्त ने मिड-डे मील के स्टॉक और किचन

की सफाई की जांच की। उन्होंने निर्देश दिए कि मीनू के अनुसार ही प्रतिदिन बच्चों को ताजा और पौष्टिक आहार दिया जाए।उन्होंने स्टोर रूम में रखे अनाज की जांच की। उन्होंने निर्देश दिए कि राशन की गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य और शिक्षा एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि भोजन की गुणवत्ता में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई गई, तो संबंधित स्टाफ के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस मौके पर ग्रामीणों ने डीसी से स्कूल की जर्जर हो रही दीवार को दोबारा बनवाने की मांग की।ग्रामीणों की मांग को उपायुक्त ने मौके पर ही मौजूद जिला शिक्षा अधिकारी को दीवार के पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा कराया जाए ताकि विद्यार्थियों को एक सुरक्षित वातावरण मिल सके। इस अवसर पर महेंद्रगढ़ एसडीएम योगेश सैनी, जिला शिक्षा अधिकारी विशेश्वर कौशिक के अलावा स्कूल स्टाफ व ग्रामीण मौजूद थे।

बेटे व बहुओं ने रिश्तों को किया तार-तार, बुजुर्ग पिता व बचाव में आए मंझले बेटे-बहू के साथ की मारपीट, पुलिस में मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । क्षेत्र में रिश्तों की मर्यादा को ताक पर रखकर अपनों द्वारा ही अपनों के खून का प्यासा होने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने ग्रामीण अंचल में मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। यहाँ मामूली कहासुनी के बीच 63 वर्षीय बुजुर्ग पिता को बेटों, बहुओं और पत्नी ने मिलकर इस कदर पीटा कि वह घायल हो गया। घटना को लेकर पीड़ित रूपनारायण बैरवा ने मंडावर थाने में न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित बुजुर्ग ने अपनी आपबीती सुनाते हुए पुलिस को रिपोर्ट देकर बताया कि 3 तारीख की शाम जब वह अपने घर के चबूतरे पर बैठा था, तभी अचानक घर के ही सदस्यों ने एकराय होकर हमला बोल दिया। छोटे बेटे अमित, बहू निशा, पत्नी प्रेमदेवी और बड़ी बहू ललता ने गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते बुजुर्ग को घसीटते हुए सड़क पर ले आए। बेरहमी की हदें तब पार हो गईं जब सड़क पर गिराकर बुजुर्ग को बेरहमी से पीटा गया, जिससे उसकी कमर, पेट और हाथों में गंभीर चोटें आईं। इस खूनी संघर्ष के बीच जब पीड़ित का मंझला बेटा अशोक, जो स्वयं पैर में फ्रैक्चर के कारण लाठी के सहारे चलने को मजबूर है, अपनी पत्नी सुमन के साथ बीच- बचाव करने पहुंचा, तो आरोपियो ने उन पर भी रहम नहीं खाया और उनके साथ भी मारपीट कर डाली। बुजुर्ग का आरोप है कि हैवानियत यहीं नहीं रुकी; उसी रात आरोपियों ने कुछ बाहरी लोगों को बुलाकर दोबारा हमला बोला और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर तत्परता दिखाते हुए आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और प्रकरण की जांच हैड कांस्टेबल ओमप्रकाश को सौंपी है। वहीं दूसरी ओर पीडीत बुजुर्ग के छोटे बेटे के द्वारा भी पूर्व में ही उसके तथा मंझले बेटे बहू के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट करने का मामला दर्ज कराया जा चुका है। फिलहाल मंडावर पुलिस दोनों पक्षों के दावों की सच्चाई खंगालने में जुटी है।

टोहाना सदर पुलिस की बड़ी कामयाबी: अवैध शराब तस्करी मामले में फरार आरोपी काबू

नहर पटरी पर 41 बोतल शराब छोड़कर भाग गया था आरोपी; कड़ी मशक्कत के बाद दबोचा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों और वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर टोहाना पुलिस टीम को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के मामले में फरार चल रहे भगोड़े आरोपी को कड़ी मशक्कत के बाद गिरफ्तार कर लिया है।आरोपी की पहचान गुरदीप सिंह उर्फ दीपा पुत्र चम्बा सिंह, निवासी जापतेवाला के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया की 23 अप्रैल को पुलिस टीम जापतेवाला नहर पटरी के पास गश्त पर थी। सूचना मिली थी कि आरोपी अवैध शराब बेचने की फिराक में है। जब पुलिस टीम मौके पर पहुँची, तो आरोपी पुलिस की गाड़ी देखकर दो प्लास्टिक की कैनियां मौके पर छोड़कर भागने में कामयाब हो गया था। तलाशी लेने पर मौके से छोड़ी गई कैनियों की जांच करने पर कुल 41 बोतल अवैध शराब बरामद हुई थी। आरोपी के खिलाफ थाना सदर टोहाना में आबकारी

अधिनियम की धारा 61-4-2020 के तहत मुकदमा नंबर 67 दर्ज किया गया था।पुलिस टीम ने कड़ी मशक्कत और तकनीकी सूचना के आधार पर आरोपी गुरदीप सिंह उर्फ दीपा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

प्रभारी मंत्री के समक्ष गूंजी माली समाज की आवाज, छात्रावास से लेकर महात्मा फुले की प्रतिमा तक उठीं बड़ी मांगें

कायस्थपुरा में रात्रिकालीन चौपाल के बाद माली सैनी समाज संस्था के डिनर कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री अविनाश गहलोत, हुआ भव्य नागरिक अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत बुधवार को ग्राम रथ अभियान के तहत जिलेभर के दौरे पर रहे। इसी क्रम में कायस्थपुरा गांव में आयोजित रात्रिकालीन चौपाल के बाद उन्होंने माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री के आवास पर आयोजित विशेष डिनर कार्यक्रम में शिरकत की, जहां समाज के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए नागरिक अभिनंदन किया।कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इस अवसर पर माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री ने प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत, विधायक राजेन्द्र भांम्बू तथा जिला कलेक्टर अरुण गर्ग के समक्ष समाज से जुड़ी वर्षों पुरानी महत्वपूर्ण मांगों को मजबूती से रखा।

छात्रावास के लिए भूमि आवंटन की पुरजोर मांग

महेन्द्र शास्त्री ने कहा कि जिले में माली समाज के विद्यार्थियों की शिक्षा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए छात्रावास निर्माण के लिए भूमि आवंटन की मांग लंबे समय से लंबित है। उन्होंने सरकार से इस दिशा में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की, ताकि ग्रामीण अंचलों से आने वाले जरूरतमंद विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकें।

महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के नाम पर हो सर्किल का नामकरण

कार्यक्रम में समाज की ओर से जिला मुख्यालय पर स्थित किसी प्रमुख सर्किल का नाम समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले के नाम पर रखने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। समाज के लोगों ने कहा कि महात्मा फुले दंपति ने शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समानता के क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान दिया, ऐसे में उनके नाम पर सार्वजनिक स्थल का नामकरण नई पीढ़ी को प्रेरणा देगा।

प्रतिमा स्थापना के लिए भूखंड आवंटन की मांग

इसके साथ ही जिला मुख्यालय पर महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा स्थापित करने के लिए उपयुक्त भूखंड आवंटित करने की मांग भी रखी गई। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह प्रतिमा सामाजिक चेतना, शिक्षा और समानता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगी।

समाज की एकजुटता ने खींचा सबका ध्यान

डिनर कार्यक्रम के दौरान माली सैनी समाज की एकजुटता और सामाजिक सक्रियता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने समाज हित से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा करते हुए सरकार से शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जताई। वहीं प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने समाज की भावनाओं को गंभीरता से सुनते हुए मांगों पर सकारात्मक विचार करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर परिवार के सदस्य वरिष्ठ अध्यापक रंगलाल सैनी, रेंजर अमित सैनी, अंकुर सैनी, सुनीता सैनी, अनिता सैनी, सपना सैनी, भाविका, मयंक के साथ मंत्री ने फोटो सूट किए। मंत्री के साथ एसपी कविन्द्र सिंह सागर, पीआरओ हिमांशु सिंह, भाजपा नेता विश्वभर पूनियां, माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के संरक्षक मुरारी सैनी, मीडिया प्रभारी नरेश बगड, चिड़ावा के निवर्तमान प्रधान रोहिताश्व धांगड, जयकरण सैनी, डीपी सैनी, सरपंच रमेश सैनी, पूर्व सरपंच मूलचंद सैनी पौंख, अशोक सैनी नानू वाली बावड़ी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य रूडमल सैनी, एडवोकेट सतीश सैनी, पूर्व सरपंच मुकेश पातुसरी, समाज कल्याण अधिकारी पवन पूंनिया,दीपेश सैनी, मुकेश सैनी सहित अनेक अधिकारी कर्मचारी एवं परिवार जन उपस्थित थे।

घोसराना स्टेशन पर ताश के पत्तों की तरह ढह गई नवनिर्मित दीवार, टला बड़ा हादसा

ग्रामीणों ने निर्माण सामग्री पर उठाए सवाल, उच्च स्तरीय जांच की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर-महवा रोड रेलवे स्टेशन के समीप घोसराना स्टेशन पर रेल लाइन दोहरीकरण योजना के तहत लाखो की लागत से बनाई गई सुरक्षा दीवार भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। रात्रि के आये आंधी व बारिश से नवनिर्मित दीवार अचानक भरभराकर गिर पड़ी, जिससे हड़कंप मच गया। गनीमत यह रही कि हादसा देर रात हुआ जब वहां कोई यात्री या राहगीर मौजूद नहीं था, वरना घटिया निर्माण की यह लापरवाही कई जिंदगियों पर भारी पड़ सकती थी। केंद्र सरकार रेलवे के आधुनिकीकरण पर पानी की तरह पैसा बहा रही है, लेकिन धरातल पर जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से भ्रष्टाचार की जड़ें इस कदर गहरी हो चुकी हैं कि लाखों की लागत से बनी यह दीवार एक मामूली आंधी का झोंका भी सहन नहीं कर पाई।

ग्रामीणों का आरोप है कि इस दीवार के निर्माण में रेलवे के तय मानकों को पूरी तरह दरकिनार किया गया। मौके पर बिखरा मलबा खुद गवाही दे रहा है कि निर्माण में बेहद कम गुणवत्ता वाली सीमेंट, दोयम दर्जे की ईंटों और मिट्टी मिश्रित बजरी का धड़ल्ले से उपयोग किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब चार दिन पूर्व दीवार के पास कार्य कर रही हाईड्रा मशीन के दबाव से दीवार के पास की मिट्टी धंस गई थी और दीवार के पास की जमीन में बड़ी दरार आ गई थीं, जिसे समय रहते ठीक करने के बजाय नजरअंदाज कर दिया गया। नतीजतन, रात्रि में आये आंधी और बारिश ने इस 'सरकारी काम' की पोल खोलकर रख दी। क्षेत्रवासियों ने तीखे स्वर में आगरा रेल मंडल के डीआरएम से इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराये

जाने की मांग की है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि यदि इसके लिये जिम्मेदार दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई और निर्माण की गुणवत्ता नहीं सुधारी गई, तो भविष्य में होने वाली किसी भी जनहानि की जिम्मेदारी पूरी तरह से रेलवे प्रशासन की होगी। वर्तमान में स्टेशन पर फैला मलबे का ढेर रेलवे के दावों और हकीकत के बीच के अंतर को साफ बयां कर रहा है। वहीं इस मामले को लेकर घोसराना स्टेशन अधीक्षक जे.पी. मीना ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान हाइड्रा मशीन से कार्य करने के दौरान दीवार में दरार आ गई थी तथा दीवार के पीछे सपोर्ट नही होने के कारण रात्रि में आये अंधड व बारिश के कारण दीवार ढह गई।

इनका कहना है:

'दीवार गिर गई है तो दोबारा बन जाएगी। जो भी बात करनी है फोन पर नहीं बता सकता, साइट पर आकर मिलो। '

रामचंद्र वर्मा,एक्सईएन कंस्ट्रक्शन,स्थानीय रेलवे विभाग।

सफाई कर्मचारियों और सीवरमैन का बेहतर स्वास्थ्य सरकार और आयोग की सदैव प्राथमिकता: आजाद सिंह

जिले में 8 मई तक आयोजित होंगे जिला स्तरीय स्वास्थ्य जांच शिविर; नागरिक अस्पताल के सहयोग से दी जा रही हैं निशुल्क सेवाएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग द्वारा जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से फतेहाबाद जिले के सभी सफाई कर्मचारियों, सीवरमैन और उनके परिजनों के लिए एक विशेष तीन दिवसीय जिला स्तरीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर 8 मई तक जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आयोजित किया जा रहा है। विशेष रूप से नागरिक अस्पताल फतेहाबाद की विशेषज्ञ टीमों द्वारा कर्मचारियों की गहन जांच की जा रही है। हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के वाइस चेयरमैन आजाद सिंह, कार्यालय कोऑर्डिनेटर नीलम और कार्यालय कोऑर्डिनेटर संदीप ने बुधवार को डीपीआरसी हॉल में आयोजित कार्यक्रम में इस अभियान की शुरुआत की।

सफाई कर्मचारी समाज का अभिन्न अंग: आजाद सिंह

उपाध्यक्ष आजाद सिंह ने कहा कि सफाई कर्मचारी समाज का वह महत्वपूर्ण हिस्सा हैं जो शहर को स्वच्छ और बीमारियों से मुक्त रखते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में आयोग कर्मचारियों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उपाध्यक्ष ने कहा कि सफाई के दौरान कर्मचारियों को व्यक्तिगत सुरक्षा जैसे मास्क और दस्ताने का अनिवार्य रूप से उपयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि फतेहाबाद में आयोजित यह शिविर प्रदेश का 14वां शिविर है, इससे पहले आयोग 13 जिलों में सफलतापूर्वक स्वास्थ्य जांच शिविर लगवा चुका है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आयोग यह सुनिश्चित कर रहा है कि इन स्वच्छता दूतों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। उन्होंने अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग की टीम की भी प्रशंसा की जिन्होंने इतने बड़े स्तर पर शिविर का आयोजन सुनिश्चित किया।

11 मई को मनाया जाएगा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, दुर्गा मंदिर में होगा जिला स्तरीय आयोजन

एडीसी अनुराग ढालिया ने अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों को दिया अंतिम रूप

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में 11 मई को जिला स्तर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में एडीसी अनुराग ढालिया ने अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की तथा विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। एडीसी ने आयोजन स्थल दुर्गा मंदिर का निरीक्षण किया और वहां व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एडीसी ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व देशभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा तथा जिला स्तर पर इसका आयोजन दुर्गा मंदिर परिसर में किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। यात्रा दुर्गा मंदिर पहुंचेगी, जहां शिवलिंग पर विधिवत जलाभिषेक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा, जिसे उपस्थित श्रद्धालु लाइव देख और सुन सकेंगे। इसके अलावा दुर्गा मंदिर परिसर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे

श्रद्धा और सांस्कृतिक चेतना का वातावरण बनेगा। एडीसी अनुराग ढालिया ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, यातायात और अन्य मूलभूत सुविधाओं की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर एसडीएम राजेश कुमार, सीईओ सुरेश कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता, डीडीपीओ अनूप सिंह, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, डिप्टी सीएमओ मेजर डॉ. शरद टूली, डीईओ संगीता बिश्नोई, तहसीलदार सुरेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तृतीय चरण के लिए पंजीकरण शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि युवाओं के लिए पीएम इंटर्नशिप पोर्टल का तृतीय चरण मार्च 2026 से प्रारंभ हो चुका है। यह पंजीकरण दिसंबर 2026 तक खुला रहेगा। भारत सरकार की प्राइम मिनिस्टर इंटर्नशिप स्कीम (पीएमआईएस) के तहत युवाओं को देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटर्नशिप का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के तहत चयनित अभ्यर्थियों को 6 से 9 माह की इंटर्नशिप 9 हजार रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड एवं 6 हजार रुपए एकमुश्त अनुदान प्रदान किया जाएगा। इस योजना के लिए 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के वे सभी अभ्यर्थी पात्र हैं, जो 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा या ग्रेजुएशन (या अंतिम वर्ष) में अध्ययनरत हैं या पासआउट हैं। प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने सभी पात्र उम्मीदवारों से आह्वान किया कि इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। यह योजना केवल आईटीआई छात्रों तक सीमित नहीं है। महेंद्रगढ़ जिले के 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा एवं ग्रेजुएशन पास आउट तथा वर्तमान में पढ़ रहे इस आयु वर्ग के सभी युवा समय रहते पीएम इंटर्नशिप पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाएं ताकि वे अपने कौशल को इंडस्ट्री अनुभव के साथ मजबूत कर सकें।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर जिला स्तरीय समारोह आज, कृत्रिम अंग वितरण शिविर एवं रैली का होगा आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर 8 मई को रेड क्रॉस कार्यालय में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में उपायुक्त एवं जिला रेड क्रॉस समिति की अध्यक्ष अनुपमा अंजली मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगी। इस संबंध में आज रेड क्रॉस कार्यालय में रेड क्रॉस सचिव बलवान शर्मा के निर्देशानुसार बैठक का आयोजन किया। जिला कमांडेंट टेकचंद यादव ने बैठक का संचालन करते हुए बताया कि विश्व रेड क्रॉस दिवस पर जिला रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर लगाया जाएगा। शिविर में जरूरतमंद लोगों को इलेक्ट्रिक स्कूटी एवं अन्य सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। इस मौके पर उपायुक्त नशा मुक्ति अभियान को हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली का शुभारंभ करेंगी। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल पर रेड क्रॉस ध्वजारोहण किया जाएगा तथा एक मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा के समय रेड क्रॉस स्वयंसेवकों द्वारा किए जाने वाले राहत कार्यों का प्रदर्शन प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर प्राचार्य ब्रह्म प्रकाश दहिया, डा. धर्मपाल गुर्जर, डॉ जितेन्द्र भारद्वाज, डॉ संजय शर्मा, पवित्रा यादव, रेड क्रॉस कार्यालय से ओमप्रकाश, राजकुमार व्यास, रेखा कुमारी, त्रिभुवन वर्मा, अगेंद्र यादव, राजेश यादव, अजय कुमार, नीतेश कुमारी, नव रत्न वर्मा, नीलम यादव, मुकेश वर्मा एवं विजय कुमार सहित अनेक पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक मौजूद थे।

फतेहाबाद सीआईए की बड़ी कार्रवाई, अपाचे बाइक सवार युवक 12.76 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/भूना।

फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन जीवन ज्योति' के तहत अपराध जांच शाखा (सीआईए) फतेहाबाद ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को हेरोइन (चिट्टा) सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 12.76 ग्राम हेरोइन तथा तस्करी में प्रयुक्त एक अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रवि उर्फ खंडू पुत्र नरेश कुमार निवासी नायक मोहल्ला, जलघर के पास, भूना जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उप निरीक्षक वेदपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम उकलाना रोड क्षेत्र में गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि रवि उर्फ खंडू, जो क्षेत्र में हेरोइन

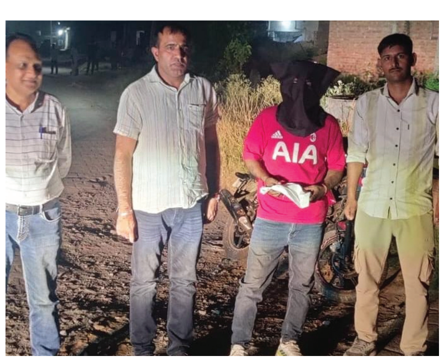

बेचने का काम करता है, वह अपाचे बाइक पर सवार होकर बैजलपुर रोड स्थित श्मशान घाट के पास ग्राहकों को नशा सप्लाई करने आने वाला है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर घेराबंदी की। कुछ देर बाद संदिग्ध युवक बाइक पर आता दिखाई दिया, जिसे पुलिस ने काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपी की पेंट की जेब से 12.76 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना भूना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21बी, 61 व 85 के तहत मुकदमा नंबर 109/2026 दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। बरामद हेरोइन एवं मोटरसाइकिल को नियमानुसार कब्जे में ले लिया गया है। सीआईए प्रभारी ने बताया कि आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि उसके नेटवर्क तथा नशा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। फतेहाबाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशा तस्करों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पशुपालन मंत्री का जन्मदिन गौ सेवा दिवस के रूप में मनाया, गौशाला में चिकित्सा एवं बाँझपन निवारण शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं पशुपालन विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत के जन्मदिन के अवसर पर बुहाना स्थित श्री गौरक्ष गौशाला में गौ सेवा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर गौ चिकित्सा एवं बाँझपन निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में गौवंश का उपचार किया गया। शिविर का संचालन प्रभारी डॉ. योगेश कुमार (बीवीएचओ, बुहाना) के नेतृत्व में किया गया। उनके साथ सहप्रभारी अरविन्द कुमार पशुधन प्रसार अधिकारी तथा सुरजीत पशुधन निरीक्षक ने सेवाएं दीं। शिविर के दौरान कुल 35 गायों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया, जिनमें से 20 गायों का विशेष रूप से बाँझपन

निवारण उपचार किया गया। कार्यक्रम के दौरान गौशाला परिसर में गौ सेवा एवं पशु संरक्षण को लेकर जागरूकता का संदेश भी दिया गया। उपस्थित लोगों ने गौवंश की देखभाल और पशुपालन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। गौशाला के अध्यक्ष महंत मौजनाथ महाराज ने मंत्री जोराराम कुमावत के जन्मदिन पर उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय जीवन एवं दीर्घायु की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि पशुपालन मंत्री द्वारा पशुधन एवं गौ संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं, जिससे पशुपालकों को लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर गौशाला से जुड़े पदाधिकारी, पशुपालन विभाग के कर्मचारी एवं गौसेवक भी उपस्थित रहे।

ड्यूल ओ.टी.पी. सिस्टम बनेगा साइबर ठगों पर बड़ा प्रहार: फतेहाबाद पुलिस का जागरूकता अभियान तेज

गांव-गांव पहुंचकर लोगों को किया जा रहा जागरूक, बुजुर्गों व आमजन की डिजिटल सुरक्षा को मिलेगा मजबूत सुरक्षा कवच

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल, आईपीएस के मार्गदर्शन तथा पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस के नेतृत्व में फतेहाबाद पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। बदलते डिजिटल दौर में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा आमजन को 'ड्यूल ओ.टी.पी. सिस्टम' जैसी महत्वपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था के प्रति जागरूक किया जा रहा है। फतेहाबाद पुलिस की टीमें गांव-गांव, स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों, बैंक शाखाओं तथा सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रही हैं।

कार्यालय- रा. उ. मा. विद्यालय पदमपुरा, प. स. चिड़ावा, झुन्झुनूं

क्रमांक :- 25 दिनांक 02.05.2026

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (समग्र शिक्षा) चिड़ावा के आदेश क्रमांक 158 दिनांक 02.05.2026 की अनुपालना में दिनांक 19/05/2026 को प्रातः 10.00 बजे विद्यालय परिसर में विद्यालय की आइसीटी लैब के नाकारा/अक्रियाशील उपकरणों की सार्वजनिक नीलामी जिसका पुस्तक क्रय मूल्य 185300 रू. (एक लाख पिच्चासी हजार तीन सौ रूपये) है, इस हेतु गठित कमेटी द्वारा की जायेगी। जिसमें इच्छुक ई-वेस्ट निस्तारण रजिस्ट्रड एवं जीएसटी धारक व्यक्ति/फर्म नियमानुसार अमानत राशि जमा करवाकर बोली में भाग ले सकते हैं। नीलामी की शेष शर्ते कार्यालय समय में विद्यालय में देखी जा सकती हैं।

प्रधानाचार्य
रा. उ. मा. विद्यालय पदमपुरा, प. स. चिड़ावा, झुन्झुनूं

संक्षिप्त समाचार

विवेक रामास्वामी बने ओहायो गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार, केसी पुच को प्राइमरी चुनाव में हराया

कोलंबस (ओहायो), एजेंसी। भारतीय मूल के उद्यमी और डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक विवेक रामास्वामी ने मंगलवार को ओहायो के गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन जीत लिया है। प्राइमरी चुनाव के अनौपचारिक नतीजों के अनुसार, उन्होंने कार डिजाइनर केसी पुच को हराकर अपनी जगह पक्की की। अब वह रस्ट बेल्ट के इस महत्वपूर्ण प्रांत में रिपब्लिकन पार्टी का चेहरा होंगे। बायो-टेक एंटरप्रेन्योर विवेक रामास्वामी ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप के खिलाफ दावेदारी पेश की थी। हालाँकि वे प्राइमरी में हार गए थे, लेकिन उस अभियान ने उन्हें पूरे अमेरिका में एक प्रभावशाली वक्ता और नेता के रूप में पहचान दिलाई। बाद में उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का समर्थन किया और अब वे उनके आशीर्वाद के साथ ओहायो की राजनीति में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। आम चुनाव में रामास्वामी का सामना डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन से होगा। एमी एक्टन ओहायो की पूर्व सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक रही हैं और वे अपनी पार्टी की ओर से निर्विरोध चुनी गई हैं। रामास्वामी ने अपने प्रचार के दौरान एमी एक्टन की स्वास्थ्य नीतियों और 'कोविड विचारधारा' पर तीखे हमले किए हैं। ओहायो के वर्तमान गवर्नर माइक डीवाइन का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और वे नियमों के कारण दोबारा चुनाव नहीं लड़ सकते। रामास्वामी की इस जीत ने ओहायो की राजनीति में एक नए युग का संकेत दिया है। रिपब्लिकन पार्टी को उम्मीद है कि रामास्वामी की युवा ऊर्जा और ट्रंप के समर्थकों का आधार उन्हें नवंबर में होने वाले आम चुनाव में जीत दिलाएगा।

जमैका के बाद सूरीनाम पहुंचे जयशंकर, पारामारीबो में हवाई अड्डे पर हुआ गर्मजोशी से स्वागत

पारामरिबो (सूरीनाम), एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को सूरीनाम पहुंचे, जहां उनकी वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता होने वाली है। तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के दूसरे चरण में उन्होंने अपने समकक्ष मेल्विन बुवा से मुलाकात की, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जयशंकर ने कहा कि वह पहली बार पारामारीबो (सूरीनाम की राजधानी) पहुंचे हैं और बातचीत को लेकर उत्साहित हैं। इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और सूरीनाम के बीच खास संबंध हैं, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में गिरमिटिया समुदाय के लोग रहते हैं। ये वे भारतीय मजदूर थे जो 19वीं सदी में अनुबंध के तहत विदेश में काम करने गए थे और बाद में वहीं बस गए। इस यात्रा के बाद जयशंकर त्रिनिदाद और टोबैगो भी जाएंगे। इससे पहले वह जमैका का दौरा कर चुके हैं, जहां कई अहम समझौते हुए और सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई। भारत ने जमैका को स्वास्थ्य और आपदा राहत के तहत डायलिसिस यूनिट, मछली पकड़ने वाली नावें और जीपीएस उपकरण देने का निर्णय लिया है। यह सहायता पिछले साल आए तूफान के बाद पुनर्निर्माण में मदद के लिए दी जा रही है। जयशंकर ने जमैका में कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए और दोनों देशों ने डिजिटल, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए जमैका के समर्थन और आतंकवाद के खिलाफ रुख पर एकजुटता की सराहना की। इस दौरान उन्होंने प्रवासी भारतीय समुदाय से भी मुलाकात की और वहां के विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

ट्रंप का 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोकने का ऐलान, जारी रहेगी नाकेबंदी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (लोकल टाइम) को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोकने का ऐलान किया. साथ ही ये भी स्पष्ट किया कि ईरान के पोर्ट्स पर नाकेबंदी जारी रहेगी. 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' का मकसद खाड़ी में बढ़ते क्षेत्रीय टेंशन के बीच होर्मुज स्ट्रेट में फंसे कमर्शियल जहाजों को निकलने में मदद करना है. ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के अनुरोध के बाद लिया गया, जो वाशिंगटन और तेहरान और दूसरे देशों के बीच शांति समझौते के लिए मध्यस्थ के तौर पर काम कर रहा है. ट्रंप ने आगे दावा किया कि यह फैसला ईरान के खिलाफ कैंपेन के दौरान मिली बड़ी मिलिट्री बढ़त और ईरानी प्रतिनिधियों के साथ संभावित समझौते की दिशा में हुई प्रगति के बाद लिया गया. अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि यह रोक इसलिए लगाई गई थी ताकि यह देखा जा सके कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच एग्रीमेंट को फाइनल किया जा सकता है या नहीं और उस पर साइन किया जा सकता है या नहीं. पोस्ट में कहा गया, 'पाकिस्तान और दूसरे देशों की रिक्वेस्ट के आधार पर ईरान देश के खिलाफ कैंपेन के दौरान हमें जो जबरदस्त मिलिट्री कामयाबी मिली है।

स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ीं?: स्थानीय चुनावों में भारी नुकसान का डर, पार्टी में उठे बगावत के सुर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में इस वक्त राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। गुरुवार को होने वाले स्थानीय चुनाव ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन गए हैं। इन चुनावों के नतीजे यह तय कर सकते हैं कि स्टार्मर अपनी कुर्सी पर बने रहेंगे या उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ेगा। यह चुनाव साबित कर देंगे कि अब ब्रिटेन एक बंटी हुई राजनीति के दौर में प्रवेश कर चुका है। माना जा रहा है कि देश की जनता प्रधानमंत्री से काफी नाराज है और इसका सीधा असर चुनाव की वोटिंग में देखने को मिलेगा। ब्रिटेन की राजनीति अब कई अलग-अलग पार्टियों में बंटती हुई नजर आ रही है, जिससे सत्ताधारी पार्टी की मुश्किलें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं।

कीर स्टार्मर की 'लेबर पार्टी' को इंग्लैंड की स्थानीय परिषदों के साथ-साथ स्कॉटलैंड और वेल्स की विधानसभाओं में होने वाले इन चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। कमजोर अर्थव्यवस्था और जनता की नाराजगी के कारण प्रधानमंत्री की लोकप्रियता काफी नीचे गिर गई है। विपक्षी पार्टियां गुरुवार को होने वाले इस चुनाव को स्टार्मर सरकार के दो साल के कामकाज पर एक कड़े जनमत संग्रह की तरह पेश कर रही हैं।

धुर-दक्षिणपंथी पार्टी 'रिफॉर्म यूके' ने तो इस चुनाव में अपना खास नारा ही 'रिफॉर्म को वोट दें, स्टार्मर को बाहर करें' रख लिया है। वैसे तो अगला राष्ट्रीय चुनाव साल 2029 तक नहीं

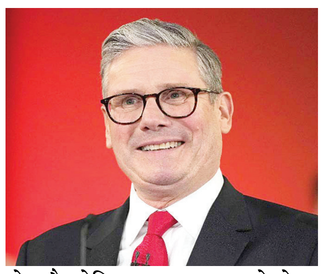

होना है, लेकिन अगर गुरुवार को लेबर पार्टी बुरी तरह हारती है, तो स्टार्मर के खिलाफ उनकी अपनी ही पार्टी में एक बड़ी बगावत शुरू हो सकती है। एक विशेषज्ञ के अनुसार, भारी जीत के दो साल के अंदर ही स्टार्मर अब लोगों की निराशा का बहुत बड़ा कारण बन गए हैं।

बढ़ा दी है प्रधानमंत्री की परेशानी : जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही कीर स्टार्मर ने कई ऐसी गलतियां की हैं, जिससे उनकी साख को भारी धक्का लगा है। उनकी सरकार अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, खस्ताहाल बुनियादी सेवाएं सुधारने और महंगाई कम करने के अपने वादों में पूरी तरह नाकाम रही है। इसके साथ ही, ईरान के साथ अमेरिकी-इस्राइली युद्ध के कारण यह काम और भी मुश्किल हो गया है। इस युद्ध ने होर्मुज के रास्ते से आने वाले तेल की सप्लाई को रोक दिया है। इसके अलावा, एक दागी छवि वाले पीटर मैंडेलसन को वाशिंगटन का राजदूत बनाने के उनके अजीब फैसले से भी देश की जनता और पार्टी के नेता बहुत ज्यादा खफा चल रहे हैं। स्टार्मर की जगह कौन सा नेता लेगा? जानकारों का अनुमान है कि लेबर पार्टी इंग्लैंड की 2,500 में से आधी से ज्यादा सीटें बहुत बुरी तरह हार सकती है। यह लेबर पार्टी और प्रधानमंत्री दोनों के लिए बहुत ही खतरे की घंटी है। अगर चुनाव में इतनी करारी हार होती है, तो स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग, पूर्व उप प्रधानमंत्री एंजेला रेनर या मेयर एंडी बर्नहैम जैसे बड़े नेता स्टार्मर को पद से हटाने के लिए सीधी चुनौती दे सकते हैं। नियम के अनुसार किसी भी नेता को ऐसा करने के लिए संसद में कम से कम 80 सांसदों के समर्थन की सख्त जरूरत होगी। जानकारों का साफ कहना है कि अब यह सवाल नहीं है कि स्टार्मर जाएंगे या नहीं, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि वह कब जाएंगे। ब्रिटेन का राजनीति बदलने वाली हैं? दशकों से ब्रिटेन में केवल दो ही मुख्य पार्टियां सत्ता के आस-पास रही हैं, लेकिन अब यहां की राजनीति पूरी तरह बदल रही है। इस बार लेबर पार्टी का वोट 'ग्रीन पार्टी' और 'रिफॉर्म यूके' जैसी पार्टियों में बंटने की पूरी उम्मीद है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि ब्रिटेन अब 'पांच-पार्टी सिस्टम' की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। वेल्स में एक सदी से राज कर रही लेबर पार्टी अब तीसरे नंबर पर खिसक सकती है और वहां 'प्लेड सिमरू' पार्टी चुनाव जीत सकती है। वहीं, स्कॉटलैंड में 'स्कॉटिश नेशनल पार्टी' ने कड़ा ऐलान किया है कि अगर वह चुनाव जीती तो ब्रिटेन से आजादी के लिए एक नया जनमत संग्रह कराएगी। अब पुरानी राजनीति खत्म हो रही है और बदलाव तय माना जा रहा है।

पाकिस्तान के पेशावर में अमेरिका बंद करेगा वाणिज्य दूतावास, सुरक्षा के डर से ट्रंप का फैसला

चेन्नई, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान में एक बहुत बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान के पेशावर शहर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को पूरी तरह से बंद करने का बड़ा एलान कर दिया है। यह फैसला अचानक एक झटके में नहीं लिया गया है, बल्कि इसे चरणबद्ध तरीके से यानी धीरे-धीरे लागू किया जाएगा। अमेरिका के इस बड़े फैसले से पाकिस्तान में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका ने दुनिया को साफ कर दिया है कि उसके लिए अपने राजनयिकों और कर्मचारियों की जान की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है और वह इस मामले में कोई समझौता नहीं कर सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान जारी करके इस बड़े फैसले की जानकारी पूरी दुनिया को दी। बयान में बताया गया है कि अमेरिका अपने पेशावर वाणिज्य दूतावास के कामकाज को हमेशा के लिए समेट रहा है। अब तक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के साथ कूटनीतिक बातचीत और कामकाज की जो जिम्मेदारी पेशावर दूतावास के पास थी, वह अब सीधे इस्लामाबाद में स्थित अमेरिकी दूतावास को सौंप दी जाएगी। यह कदम बताता है कि अमेरिका पाकिस्तान के उस इलाके में अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर कितना ज्यादा चिंतित है।

टेक्सास में अंधाधुंध फायरिंग में 2 की मौत और 3 घायल, पुलिस ने हमलावर को किया अरेस्ट

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका में एक माल में अंधाधुंध फायरिंग में 2 की मौत और 3 लोगों के घायल होने के बाद इलाके में भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। यह दर्दनाक घटना अमेरिका के टेक्सास राज्य में डलास के उत्तरी शहर कैरोलटन में मंगलवार को घटी है। एक अज्ञात व्यक्ति ने अचानक से वहां मौजूद पांच लोगों पर ताबड़तोड़ तरीके से गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस भयानक और हिंसक वारदात में दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस हमले के मुख्य आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच के अनुसार यह कोई अचानक किया गया हमला नहीं था बल्कि एक सोची-समझी साजिश लग थी। हमलावर और पीड़ित एक-दूसरे को पहले से जानते थे और उनके बीच कोई पुराना विवाद था। घायलों को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल भेजा गया है और पूरे इलाके की बहुत ही कड़ी सुरक्षा की जा रही है। घातक हमले की क्या है असली वजह? कैरोलटन पुलिस प्रमुख रॉबर्टो एरेडोंडो ने बताया कि यह सभी लोग किसी खास व्यावसायिक मीटिंग के लिए मिले थे। हमले का असली मकसद अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन आपसी रंजिश की बड़ी आशंका जताई है। पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि आखिर इस हिंसक वारदात को अंजाम देने की असली वजह क्या थी। यह दिल दहला देने वाली घटना कैरोलटन के कोरियाटाउन इलाके में स्थित एक प्रसिद्ध के टाउन प्लाजा में घटी है। यह प्लाजा डलास शहर से करीब 32.1 किलोमीटर दूर स्थित है और यहां हमेशा लोगों की काफी ज्यादा भीड़ रहती है। अचानक गोलीबारी की आवाज सुनते ही पूरे प्लाजा में भारी दहशत फैल गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कई पुलिस अधिकारी प्लाजा के अंदर हथियारों के साथ तलाशी लेते नजर आ रहे हैं। इस बड़े मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस के साथ एफबीआई की टीम भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई है। अन्य कई संघीय जांच एजेंसियां भी इस बड़े मामले की जांच करने में स्थानीय प्रशासन की मदद कर रही हैं। कारोबार के विवाद में किया हमला स्थानीय पुलिस के अनुसार व्यावसायिक मीटिंग के दौरान ही किसी बात को लेकर इन लोगों के बीच विवाद हुआ था। इसी गंभीर विवाद के चलते हमलावर ने गुस्से में आकर अपने ही साथियों पर जानलेवा फायरिंग करना शुरू कर दिया था। गिरफ्तार किए गए आरोपी से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है ताकि इस पूरे मामले की सच्चाई का पूरी तरह पता चल सके।

खैबर पख्तूनख्वा में मौलाना की हत्या, लोग सड़कों पर उतरे, हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग

इस्लमाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में प्रसिद्ध मौलाना मोहम्मद इदरीस की अज्ञात लोगों ने बेरहमी से गोलीमार कर हत्या कर दी है। इस भयानक हमले से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है और लोग भारी संख्या में सड़कों पर उतर आए हैं। जेयूआई-एफ के नेता मौलाना इदरीस पार्टी प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के बेहद करीबी माने जाते थे। पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने इस पूरी घटना को टारगेट किलिंग करार देते हुए सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मौत की खबर फैलते ही आक्रोशित समर्थकों ने चारसादा शहर में मार्च निकालकर मुख्य सड़कों को पूरी तरह जाम कर दिया। हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर फारूक-ए-आजम चौक पर लोगों ने बड़ा धरना शुरू कर दिया है। आतंकवादियों ने की मौलाना की हत्या, जांच जारी काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट और पुलिस की संयुक्त जांच टीम ने बताया कि चार आतंकवादियों ने मिलकर मौलाना को निशाना बनाया। सेफ सिटी कैमरों की मदद से इन सभी संदिग्ध हमलावरों की तस्वीरें निकाल ली गई हैं और आगे की पहचान की जा रही है। पुलिस इन सभी आतंकवादियों को जल्द पकड़ने के लिए कई अहम ठिकानों पर लगातार भारी छापेमारी कर रही है। मौलाना इदरीस के परिवार में इस तरह का यह पहला भयानक हमला नहीं है, इससे पहले भी उनके ससुर की जान जा चुकी है। उनके ससुर और प्रसिद्ध विद्वान मौलाना हसन जान की भी साल 2007 में आतंकवादियों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। उन्होंने उस समय देश में सशस्त्र संघर्ष का भारी विरोध किया था जिसके कारण उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी थी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस दुखद हत्या पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि ऐसी कायरतापूर्ण हरकतें पूरे देश का मनोबल किसी भी कीमत पर बिल्कुल नहीं गिरा सकती हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी और राज्यपाल फैसल करीम कुंडी ने भी इस बड़े हमले की कड़ी निंदा की है। अवामी नेशनल पार्टी के अध्यक्ष ऐमल वली खान ने इस घटना पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है।

ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म, लेकिन शांति अभी दूर, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी पर अमेरिकी विदेश मंत्री का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार तड़के घोषणा की कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। इसके साथ ही दो महीने से अधिक समय से चल रही अशांति का अंत हो गया है, जो अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए एक बड़े सैन्य संघर्ष के कारण उत्पन्न हुई थी। अली खामेनेई की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने के उद्देश्य से शुरू हुए इस संघर्ष ने तेहरान में भी भारी राजनीतिक उथल-पुथल मचा दी थी। खामेनेई की हत्या के बाद, उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया, जो सत्ता में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतीक था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में इज़राइल की साझेदारी में शुरू किया गया व्यापक सैन्य अभियान, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी, 28 फरवरी

को शुरू हुआ और खाड़ी क्षेत्र और व्यापक मध्य पूर्व को तीव्र अस्थिरता और संघर्ष के दौर में धकेल दिया।

ऑपरेशन की समाप्ति की घोषणा करते हुए रुबियो ने कहा कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। हमने इस अभियान के उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया है। हम ऐसी किसी और स्थिति की कामना नहीं करते। हम शांति का मार्ग अपनाना चाहेंगे। ट्रम्प एक समझौते को प्राथमिकता देंगे... जो कि अब तक ईरान ने नहीं चुना है। रुबियो ने क्षेत्र में विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में, जो एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल पारगमन मार्ग है, समुद्री स्थिरता को बहाल करने के रणनीतिक महत्व पर भी जोर दिया। कई देशों ने - कुछ ने निजी तौर पर और कुछ ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका से अपने जहाजों को मुक्त कराने और होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करने में मदद करने का अनुरोध किया... और इसलिए राष्ट्रपति ट्रम्प ने आगे बढ़कर उनकी मदद की गुहार सुनी और अमेरिकी सेना को इन फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का निर्देश दिया और यह जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और इस शासन के आर्थिक विनाश के कृत्य को समाप्त करने की दिशा में पहला कदम है। हम यह सिर्फ इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमसे अनुरोध किया गया था, बल्कि इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम ही एकमात्र ऐसे हैं जो ऐसा कर सकते हैं... राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में, संयुक्त राज्य अमेरिका अपने मित्रों की मदद करेगा। हम तेहरान जैसे दुष्ट शासनों का डटकर सामना करेंगे और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने में संकोच नहीं करेंगे। तेहरान को कड़ी चेतावनी देते हुए रुबियो ने कहा, 'उनके लिए यह समझना बेहद ज़रूरी है कि उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका की इच्छाशक्ति को परखने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, कम से कम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शासनकाल में तो बिल्कुल नहीं। उन्होंने बार-बार साबित किया है कि वे अपने कहे पर खरे उतरते हैं। और अगर वे उन्हें चुनौती देंगे।

ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार: राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने इराक के प्रधानमंत्री-नामित अली अल-जैदी के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान पेजेशकियान ने कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वह किसी भी दबाव के आगे झुकेगा नहीं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, एक आधिकारिक बयान में राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा, 'हमारी समस्या यह है कि एक ओर अमेरिका देश पर दबाव की नीति अपना रहा है और दूसरी ओर वह चाहता है कि ईरान बातचीत की मेज पर आए और आखिरकार उसकी एकतरफा मांगों के सामने आत्मसमर्पण कर दे। लेकिन यह असंभव है।' उन्होंने कहा कि ईरान मूल रूप से युद्ध और

असुरक्षा को किसी भी तरह से उचित विकल्प नहीं मानता। इसके साथ ही, पेजेशकियान ने कहा कि ईरान को परमाणु तकनीक से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अमेरिका ऐसे व्यवहार कर रहा है जैसे ईरान को परमाणु उद्योग रखने का अधिकार ही नहीं है। वह अत्यधिक मांगें सामने रखकर देश पर अतिरिक्त दबाव डालता है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने आगे कहा कि पिछली सभी वार्ताओं में ईरान पूरी तरह तैयार था कि अंतरराष्ट्रीय नियमों और वैश्विक निगरानी के तहत जो भी आवश्यक हो, वह सब कुछ उपलब्ध कराए ताकि उसके परमाणु गतिविधियों के शांतिपूर्ण स्वरूप को सुनिश्चित किया जा सके।

दूसरी ओर, अल-जैदी ने इराक की ओर से ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता करने की तत्परता जताई, ताकि क्षेत्रीय संकटों को कम किया जा सके। अल-जैदी के मीडिया कार्यालय के एक बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने भविष्य में आधिकारिक यात्राओं के आदान-प्रदान पर भी सहमति जताई, ताकि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया जा सके। बता दें कि 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर तेहरान और ईरान के अन्य शहरों पर हमले किए थे, जिसमें तत्कालीन सुप्रीम लीडर अली खामेनेई, वरिष्ठ कमांडरों और नागरिकों की मौत हुई थी। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। 8 अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम हुआ, जिसके बाद 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता हुई, लेकिन वह बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई थी। फिलहाल, अमेरिका और ईरान लगातार समझौते के तहत युद्धविराम को जारी रखने की कोशिशों में जुटे हैं।

चीनी विदेश मंत्री की ईरानी समकक्ष से मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों और प. एशिया संकट पर चर्चा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बुधवार को बीजिंग में अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात की। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इस बैठक की जानकारी दी। हालांकि, इसमें अधिक विवरण साझा नहीं किया गया। अराघची की यह पहली चीन यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में तनाव जारी है। इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उम्मीद जताई कि चीन इस यात्रा के दौरान ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण कम करने की बात करेगा और क्षेत्र में तनाव घटाने की दिशा में संदेश देगा। इससे पहले ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने जानकारी दी थी कि इस दौरे के दौरान अराघची अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय संबंधों और पश्चिम एशिया में जारी संकट समेत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

अपने चीन दौरे को लेकर अराघची ने क्या कहा था : अपनी यात्रा के दौरान अराघची चीन के अपने समकक्ष वांग यी के साथ दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने और मौजूदा वैश्विक स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि अराघची की यह यात्रा वांग यी के निमंत्रण पर हो रही है और दोनों नेताओं के बीच बातचीत होगी। अराघची ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि यह यात्रा कई देशों के साथ जारी कूटनीतिक बातचीत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह चीन

के साथ द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

चीन से पहले तीन देशों का किया दौरा : कुछ दिनों पहले ही उन्होंने पाकिस्तान, ओमान और रूस का दौरा किया है। ये दौरे पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच बातचीत का हिस्सा हैं। पिछले महीने रूस दौरे के दौरान अराघची ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। पुतिन ने कहा था कि रूस पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के लोग अपनी संप्रभुता के लिए बहादुरी से लड़ रहे हैं। इस मुलाकात में अराघची ने अमेरिका और इस्राइल से संघर्ष और हमलों पर भी विस्तार से चर्चा की। पुतिन ने कहा कि रूस ईरान के हितों का समर्थन करेगा और क्षेत्र में शांति बहाल करने में मदद करेगा। पाकिस्तान दौरे के दौरान अराघची ने ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इसके बाद ओमान की यात्रा में उन्होंने समुद्री सुरक्षा पर फोकस दिया। वहां होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चर्चा हुई, जो एक अहम समुद्री मार्ग है। अराघची ने कहा कि ईरान और ओमान दोनों इस जलडमरूमध्य के तटीय देश हैं।

अमेरिका में फिर शुरू होगा पुराना 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम, ट्रंप ने की घोषणा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक पुराने 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम पहले अमेरिकी स्कूलों में बच्चों की शारीरिक फिटनेस जांचने के लिए चलाया जाता था, लेकिन बराक ओबामा सरकार के दौरान इसे बंद कर दिया गया था। व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने खिलाड़ियों, अधिकारियों और बच्चों के साथ मिलकर युवाओं में फिटनेस और खेल भावना को बढ़ावा देने की बात कही। इस कार्यक्रम में मशहूर गोल्फ ब्रायसन डीचैम्ब्यू, गोल्फर गैरी प्लेयर और पूर्व एनएचएल खिलाड़ी टी. जे. ओशी जैसे पेशेवर एथलीट भी शामिल हुए। ट्रंप ने कहा, 'आज मैंने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें राष्ट्रीय युवा खेल और फिटनेस को मान्यता दी गई है। साथ ही, मैंने नए और फिर से शुरू किए गए 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट अवार्ड' की पहली प्रति पर भी हस्ताक्षर किए हैं। यह एक ऐसा प्रमाणपत्र है जो शारीरिक फिटनेस के 'गोल्ड स्टैंडर्ड' (सर्वोच्च मानक) को हासिल करने की उपलब्धि को मान्यता देता है।'

यह कार्यक्रम जॉन एफ. केनेडी के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। 2013 में एक नया कार्यक्रम आने से पहले यह लंबे समय तक अमेरिकी स्कूलों का एक अहम हिस्सा रहा था। ट्रंप ने अपने भाषण में खेल प्रतियोगिता और अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा अमेरिका की पहचान है और देश को आगे बनाए रखने के लिए जरूरी है। स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव

रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने कहा, 'अब हम दुनिया के सबसे ज्यादा बीमार देशों में से एक बन गए हैं। हमारे बच्चों में मोटापे का स्तर 5 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। 70 प्रतिशत वयस्क मोटे या ज़्यादा वज़न वाले हैं और 77 प्रतिशत बच्चे सैन्य सेवा के लिए जरूरी शारीरिक मानकों को पूरा नहीं कर पाते हैं। केनेडी ने अपने अंकल, राष्ट्रपति कैनेडी के कार्यकाल में शुरू किए गए मूल कार्यक्रम की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक ऐसी यादगार और अहम रस्म थी, जिसे मेरी पीढ़ी का हर व्यक्ति आज भी याद करता है।' अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि युवाओं की शारीरिक फिटनेस सीधे सेना की तैयारी से जुड़ी हुई है। उन्होंने चिंता जताई कि लगभग तीन-चौथाई अमेरिकी युवा सेना में भर्ती होने के योग्य नहीं हैं। प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट को शीत युद्ध के दौर में राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया गया था, जब यूरोपीय युवाओं की तुलना में अमेरिकी युवाओं की शारीरिक तैयारी को लेकर चिंताएं बढ़ रही थीं। इस टेस्ट में आम तौर पर पुल-अप्स, सिट-अप्स, शटल रन और सहनशक्ति वाले व्यायाम शामिल होते थे और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाते थे। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत समेत कई देशों में बच्चों के बीच बढ़ते मोटापे, मोबाइल और स्क्रीन की लत तथा कोविड महामारी के बाद कम हुई शारीरिक गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ रही है। इसी कारण कई सरकारें फिटनेस, खेल और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चला रही हैं।

'टॉक्सिक' जैसी सिनेमाई दुनिया पहले कभी नहीं देखी

'कांताराः ए लीजेंड चैप्टर 1' की सफलता का जश्न मना रही अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत अब अपनी अगली बड़ी फिल्म 'टॉक्सिकः अ फेरीटेल फॉर ग्रो-अप्स' को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। हाल ही में रुक्मिणी ने फिल्म के भव्य स्केल और अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस दुनिया को देखकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। रुक्मिणी ने बताया, 'मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।'

उन्होंने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएंशंस के बैनर तले बन रही है।

फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

'टॉक्सिक' हिंदी, तेलुगु के साथ तमिल, मलयालम समेत कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा, जिससे यह पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सकेगी। रुक्मिणी वसंत इस फिल्म के अलावा जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं। उनके पास कुछ अनऑनाउंस्ड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

उर्वशी रौतेला की वापसी से और दमदार होगा

इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2

क्राइम और सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने जा रही है। मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है और इस बार कहानी पहले से ज्यादा रोमांच से भरी होगी। सीरीज में एक बार फिर उर्वशी रौतेला अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। वह इस रोल को अपने करियर के सबसे खास किरदारों में से एक मानती हैं। उर्वशी रौतेला ने कहा, ''मेरे लिए 'इंस्पेक्टर अविनाश' सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर रहा है। मेरा किरदार असली जिंदगी से प्रेरित है, इसलिए इसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाने की कोशिश की है। निर्देशक नीरज पाठक की लिखी स्क्रिप्ट ने मुझपर काफी प्रभाव डाला है। जैसे ही मैंने कहानी पढ़ी, मुझे महसूस हुआ कि यह किरदार सिर्फ अभिनय करने का मौका नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा, ''सीरीज का दूसरा सीजन अपराध और पुलिस की दुनिया को गहराई से दिखाएगा। हालांकि, इस बार कहानी सिर्फ अपराध और जांच तक सीमित नहीं रहेगी। इसमें उन परिवारों की जिंदगी को भी दिखाया जाएगा, जो पुलिस अधिकारियों के साथ हर मुश्किल दौर में खड़े रहते हैं। मेरा किरदार इसी भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा। सीरीज यह दिखाने की कोशिश करेगी कि एक पुलिस अधिकारी की नौकरी सिर्फ उसी इंसान को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करती है। उनके परिवारों को भी डर, तनाव और त्याग के साथ जीना पड़ता है।''

अपने किरदार को असली बनाने के लिए उर्वशी ने काफी मेहनत की। उन्होंने बताया, ''तैयारी के दौरान मैं असली इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा की पत्नी से मिली। मुझे उनकी सादगी, धैर्य और मानसिक मजबूती ने काफी प्रभावित किया। उनके साथ समय बिताने के बाद मुझे समझ आया कि पुलिस अधिकारी की पत्नी होना कितना मुश्किल होता है। बाहर से यह जिंदगी सामान्य दिख सकती है, लेकिन अंदर ही अंदर बहुत संघर्ष और चिंता छिपी होती है। इसी अनुभव ने मुझे अपने किरदार को और बेहतर तरीके से समझने में मदद की।'' उर्वशी ने कहा, ''मैंने इस किरदार के लिए करीब दो साल तक तैयारी की। छोटी-छोटी आदतों और व्यवहार को समझने की कोशिश की। बोलने का तरीका, बॉडी लैंग्वेज, चलने का अंदाज और यहां तक कि साड़ी पहनने के तरीके तक पर भी ध्यान दिया। मैं चाहती हूं कि दर्शकों को मेरा किरदार पूरी तरह असली लगे।'' उन्होंने कहा, ''यह किरदार मेरे पिछले सभी किरदारों से काफी अलग है और यही बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है। मैं हमेशा से ऐसे किरदार निभाना चाहती थीं जिनमें भावनात्मक गहराई हो।''

दिलजीत दोसांझ का अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है

मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ भारत समेत पूरे विश्व में अपनी कला का परचम लहराते रहते हैं। उनकी लोकप्रियता का खुमार लोगों में इस कदर होता है कि कॉन्सर्ट के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं। अभिनेता के प्रति दीवानगी आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत के बड़े सितारों में भी देखने को मिलती है, जिनमें पंजाबी सिनेमा की अभिनेत्री गीता बसरा का नाम भी शामिल है। गीता बसरा ने पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स 2026 के दौरान दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि वे दिलजीत उनके 'ऑल-टाइम फेवरेट' पसंदीदा पंजाबी कलाकार हैं।

अभिनेत्री ने दिलजीत की खूबियों पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। गीता ने कहा, 'दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि गायक भी हैं। उनकी आवाज में वो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक शानदार सिंगर होने के साथ-साथ कमाल के एंटरटेनर भी हैं। सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं।' गीता ने कहा कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी। वे कहती हैं, 'जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं। उन्होंने दुनिया के बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन किया है। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं।' दिलजीत दोसांझ का चुलबुला अंदाज और अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। चाहे उनकी फिल्में हों या लाइव परफॉरमेंस, उनकी एनर्जी हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देती है।

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' की रिलीज डेट का एलान

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। यह एक सोशल-पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। फिल्म का नाम 'द इंडिया' स्टोरी है। इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है। फिल्म जुलाई में दर्शकों तक पहुंचेगी।

कब रिलीज होगी काजल-श्रेयस की फिल्म?

काजल और श्रेयस तलपड़े की 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में खेती में रसायनों के दुरुपयोग और उनके खतरनाक प्रभावों के बारे में दर्शाया जाएगा। खासतौर पर यह फिल्म कीटनाशक खेती और उससे जुड़े घोटालों के संदर्भ में है। यह फिल्म मूल रूप से किसी एक व्यक्ति की कहानी से आगे बढ़कर एक बड़े व्यवस्थागत संकट पर केंद्रित है। यह पर्यावरणीय चिंताओं और औद्योगिक लापरवाही पर प्रकाश डालती है और साथ ही कॉर्पोरेट जवाबदेही पर भी सवाल उठाती है। स्खुल्त प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से जी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी सागर बी. शिंदे ने लिखी और इसका निर्माण भी उन्होंने ही किया है।

लोगों को जागरुक करने की कोशिश

फिल्म की थीम के बारे में बात करते हुए प्रोड्यूसर सागर बी. शिंदे ने कहा कि यह कहानी एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है, जो अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है, लेकिन अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है।

उन्होंने एक बयान में कहा, 'हमने यह कहानी इसलिए चुनी, क्योंकि यह एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है जो अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है, लेकिन पूरे देश में अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है।

केमिकल्स का गलत इस्तेमाल, खासकर कीटनाशक वाली खेती में, सिर्फ पर्यावरण से जुड़ी चिंता ही नहीं है, बल्कि यह एक मानवीय संकट भी है। हम चाहते हैं कि इस फिल्म के जरिए लोगों में जागरूकता फैले और वे जवाबदेही और बदलाव के बारे में सार्थक बातचीत शुरू करें'। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज होगी।

इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी

अरशद वारसी ने अपने तीन दशक लंबे करियर में हर तरह के किरदार निभाए हैं। कॉमेडी रोल से अपनी पहचान बनाने वाले अरशद ने ग्रे शेड कैरेक्टर, सीरियस कैरेक्टर और निगेटिव रोल भी अदा किए हैं। यही कारण है कि अरशद वारसी का ऐसा मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में उनके लिए हमेशा एक जगह रहेगी। अरशद वारसी ने कॉमेडियंस या कॉमेडी करने वाले अभिनेताओं को कमतर आंके जाने पर निराशा जताते हुए ये उम्मीद जताई कि ऐसे कलाकारों को वो सम्मान मिले, जिसके वे हकदार हैं। बातचीत में अरशद वारसी ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल सिर्फ एक संख्या नहीं है। यह एक उपलब्धि है। यह महत्वाकांक्षा से कहीं अधिक धैर्य का प्रमाण। बेशक इंडस्ट्री आपकी परीक्षा लेगा। कड़ी मेहनत तो हर कोई करता है, लेकिन अगर आप खुद पर और अपनी क्षमता पर दृढ़ विश्वास रखते हैं और धैर्य बनाए रखते हैं, तो निश्चिंत रहें कि एक दिन दूसरे भी आप पर विश्वास करेंगे। यही चीज मुझे आगे बढ़ाती रही। मैंने कभी हार नहीं मानी, न तब जब काम धीमा हो गया, न तब जब पहचान एक समान नहीं थी और न तब जब सिस्टम मेरे खिलाफ झुका मालूम हुआ। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं एक अच्छा अभिनेता हूं और इस इंडस्ट्री में मेरे लिए जगह है। वास्तव में इस इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी।

कॉमेडी को नहीं मिलता सम्मान

अपनी बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अरशद ने इस बात पर चिंता जताई कि कॉमेडी को अक्सर मुख्य भूमिकाओं से कैसे जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर कॉमेडियन, अभिनेता या उभरते हुए कलाकार जो कॉमेडी में माहिर हैं, उनके लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम इसे कमतर आंकते हैं। यह वाकई दुखद है। मुझे नहीं लगता कि कोई कभी किसी अभिनेता से पूछेगा कि क्या अभिनय में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा बनता है। या क्या रोमांस और ड्रामा में माहिर होना एक सीमा बन जाता है। तो फिर कॉमेडी में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा क्यों माना जाता है? कॉमेडी करने वाले लोगों को अक्सर सतही, गैर-गंभीर और कम बुद्धिमान समझा जाता है। जबकि असल में मजेदार होने के लिए आपको बेहद बुद्धिमान, जानकार, तेज और गंभीर होना पड़ता है। हर कोई जानता है कि कॉमेडी एक्टिंग का सबसे कठिन रूप है। ऐसे बहुत कम अभिनेता हैं जो वास्तव में कॉमेडी कर सकते हैं। कृपया उन्हें वह सम्मान दें जिसके वे हकदार हैं।

अरशद वारसी की पाइपलाइन में हैं कई बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो अरशद वारसी पिछले साल 'जॉली एलएलबी 3' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए थे। इस साल भी उनकी पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। इनमें 'वेलकम टू द जंगल' और 'धमाल 4' जैसी फ्रेंचाइजी फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा उनके राजकुमार हिरानी के निर्देशन में भी नजर आने की संभावना है। वहीं अरशद तिग्मांशु धूलिया की आगामी फिल्म 'घमासान' में भी नजर आएंगे, इसमें वो कुख्यात डाकू ददुआ की भूमिका में दिखाई देंगे। जबकि इन दिनों अरशद 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

ओटीटी को लेकर चिंतित नहीं हैं अरशद

ओटीटी के बढ़ते वर्चस्व को लेकर अरशद वारसी का कहना है कि मुझे जिस तरह की फिल्में पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। मैं हमेशा से ऐसा अभिनेता रहा हूं जिसे कमर्शियल फिल्में पसंद थीं, लेकिन उनमें वास्तविकता का पुट होना चाहिए। मुझे तर्कहीन कहानी कहने का तरीका पसंद नहीं था। इसलिए मेरे लिए यह एक शानदार समय है क्योंकि जिस तरह की फिल्में मुझे पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। सिनेमा में आए सभी बदलावों को दिल से पसंद करता हूं। चाहे वो पहले कैसा भी रहा हो और आज जैसा भी हो। मुझे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का यह दौर अच्छा लगता है और मैं फिल्ममेकिंग के कमर्शियल और पैरलल दोनों पहलुओं की सराहना करता हूं। आखिरकार हमारी फिल्में अंतरराष्ट्रीय स्तर की दिख रही हैं।

जयपुर में रवीना टंडन ने किया पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। श्री कल्पतरु संस्था के 31वें वार्षिक समारोह के तहत वृक्ष मित्र सम्मान 2026 का आयोजन हुआ, जिसमें उन लोगों को सम्मानित किया गया जो धरती को हरा-भरा रखने और प्रकृति के संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। इस समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पारंपरिक अंदाज में नजर आईं रवीना टंडन ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों का उत्साह बढ़ाया और प्रकृति बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेड़ और प्रकृति मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी हैं, और इनके बिना भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। अभिनेत्री रवीना ने लोगों से अपील कर कहा कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश हर घर तक पहुंचना चाहिए। उनके मुताबिक, विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की अनदेखी करना आने वाली पीढ़ियों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। रवीना ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ धरती देना हम सभी की जिम्मेदारी है, और विकास तथा पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलना ही समय की सबसे बड़ी जरूरत है। कार्यक्रम में विशेष रूप से उन जमीनी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया, जिनके अथक प्रयासों से वृक्षारोपण और पेड़ों के संरक्षण का कार्य लगातार आगे बढ़ रहा है।

आंधी-तूफान में दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत, कई घायल

करनाल(एजेंसी)। करनाल में रात को आई आंधी तूफान में दो जगह अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की जान चली गई। रात को आई आंधी तूफान में दो अलग अलग जगहों पर सड़क हादसे हुए। पहला हादसा घरौंडा के गुढ़ा गांव के समीप हुआ जहां एक बाइक पर चार युवक सवार थे और उनकी अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई और बिहार के रहने वाले मोहित (24) की जान चली गई तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं दूसरा हादसा जीटी रोड पर तरावड़ी के समीप हुआ। जहां एक कैंटर सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गया, कैंटर चालक कैंटर के केबिन में फंस गया और उसकी मौत हो गई, फिलहाल कैंटर चालक कहां का है इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस जांच कर रही है।

कच्छ के क्रीक इलाके में मिली लावारिस पाकिस्तानी नाव, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले के संवेदनशील तटीय क्षेत्र में बुधवार को एक संदिग्ध पाकिस्तानी नाव लावारिस हालत में मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सूत्रों के अनुसार यह नाव भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास स्थित क्रीक इलाके में पाई गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और जांच एजेंसियां मामले की गहन पड़ताल में जुट गई हैं। जानकारी के मुताबिक बीएसएफ के जवान नियमित गश्त पर थे, तभी उन्हें क्रीक क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में एक नाव दिखाई दी। जवानों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर नाव की तलाशी ली। प्रारंभिक जांच में नाव से मछली पकड़ने से जुड़ा सामान बरामद हुआ है। हालांकि अब तक किसी प्रकार की संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि नाव किस परिस्थिति में भारतीय सीमा तक पहुंची और इसके पीछे कोई साजिश तो नहीं है। नाव को कब्जे में लेकर तकनीकी और फॉरेंसिक जांच भी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि समुद्री सीमा के पास स्थित क्रीक क्षेत्र अक्सर घुसपैठ और अवैध गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार भारतीय मछुआरों को अरब सागर के क्रीक इलाके में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन कई बार पाकिस्तानी मछुआरे मछली पकड़ने के लिए भारतीय सीमा में घुस आते हैं। ऐसे मामलों में सुरक्षा बलों की गश्ती टीम को देखकर पाकिस्तानी मछुआरे अपनी नाव छोड़कर वापस पाकिस्तान की ओर भाग जाते हैं। घटना के बाद समुद्री और तटीय क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। बीएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियां आसपास के इलाकों में लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

1200 करोड़ की कोडीन तस्करी मामले में 6 के खिलाफ चार्जशीट

लखनऊ (एजेंसी)। एसटीएफ ने बहुचर्चित कोडीन कफ सिरप तस्करी सिंडिकेट मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए, जीआर ट्रेडिंग के मालिक विभोर राणा सहित छह आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह गिरोह 2019 से सक्रिय था और इसने 1200 करोड़ रुपए से अधिक के सिरप की तस्करी को अंजाम दिया। चार्जशीट में विभोर राणा के अतिरिक्त सचिन कुमार (मारुति मेडिकोज), अभिषेक शर्मा (एबी फार्मास्यूटिकल), विशाल सिंह, बिट्टू कुमार और शुभम शर्मा के नाम शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह ने 400 करोड़ रुपए के सिरप खरीदकर उन्हें 1200 करोड़ रुपए से अधिक में बेचा। तस्करी का यह जाल नेपाल और बांग्लादेश तक फैला था, जिसके बैंक खातों और मार्गों की विस्तृत जानकारी मिली है। मामले में बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह सहित तीन अन्य पहले से जेल में हैं। एसटीएफ जल्द ही पूरक चार्जशीट दाखिल करेगी। विदेश में छिपे शुभम जायसवाल समेत तीन के पासपोर्ट निरस्त कर लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है और उन्हें वापस लाने की कवायद जारी है।

फतेहपुर गैंगरेप मामले में मुख्य आरोपी भूत पुलिस मुठभेड़ में घायल

फतेहपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में मंगेतर के साथ घूमने गई युवती से गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी बबलू सिंह उर्फ भूत को पुलिस ने एक मुठभेड़ में घायल कर दिया है। उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था और वह पिछले 12 दिनों से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। मुठभेड़ में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि खागा गैंगरेप का मुख्य आरोपी बबलू सिंह उर्फ भूत खागा क्षेत्र में छिपा हुआ है। घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में हुई जवाबी कार्रवाई में बबलू सिंह के दोनों पैरों में गोली लग गई। उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस और 1600 रुपये नकद बरामद किए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है। दरअसल, 24 अप्रैल को खागा क्षेत्र में ससुर खदेरी नदी के पास एक युवती से उसके मंगेतर के सामने गैंगरेप किया गया था।

जनगणना-2027 का शुभारंभ: सीएम योगी बोले, यह समग्र और समावेशी विकास का आधार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में जनगणना-2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ किया। हमारी जनगणना, हमारा विकास की भावना के साथ मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य का श्रीगणेश किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना भर नहीं है, बल्कि समग्र, समावेशी और सुनियोजित विकास का सशक्त आधार है।

सीएम योगी ने कहा कि आज का युग डेटा आधारित निर्णयों का है, और जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़े आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि यह विकास की धारा में समाज के अंतिम व्यक्ति की समान सहभागिता सुनिश्चित करने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में पहली बार डिजिटल

जनगणना हो रही है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्य होने है। आमजन को 07 से 21 मई, 2026 तक स्वगणना का विकल्प उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते है। इसके उपरांत जनगणना कार्मिक घर-घर जाकर सूचीकरण का कार्य करने वाले है। द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। इस बार जनगणना में जातीय गणना को भी सम्मिलित किया गया है, साथ ही पहली बार वन ग्रामों को भी जनगणना प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्वरित बनाया गया है। इसके लिए एक विशेष जनगणना पोर्टल तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से ग्राम एवं वार्ड स्तर तक कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। उत्तर प्रदेश की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या करीब 25 करोड़ 70 लाख है। यह व्यापक कार्य प्रदेश के 18 मंडलों, 75 जनपदों सहित 1 लाख 4 हजार राजस्व ग्रामों में संपादित किया जाएगा। इस सफल संचालन हेतु लगभग 5.47 लाख कार्मिकों की तैनाती की जा रही है, जिनमें 4.50 लाख प्रगणक, 85 हजार सुपरवाइजर तथा 12 हजार राज्य एवं जनपद स्तरीय अधिकारी शामिल हैं। लगभग 5.35 लाख कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

दिल्ली मंडल में चेन पुलिंग पर सख्त कार्रवाई: 1483 लोग गिरफ्तार, यात्रियों को चेतावनी

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने ट्रेन में अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) के दुरुपयोग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस साल 2026 के शुरुआती चार महीनों में ही 1483 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 2025 में आंकड़ा 5180 था। रेलवे ने चेतावनी दी है कि अनावश्यक रूप से चेन खींचने पर रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत एक साल तक की जेल, 1000 रुपये का जुर्माना या दोनों सजाएं हो सकती हैं। रेलवे के अनुसार, अलार्म चेन की सुविधा केवल आग लगने, मेडिकल इमरजेंसी, आपराधिक घटना या चढ़ते-उतरते समय हुए गंभीर हादसों जैसी वास्तविक आपात स्थितियों के लिए है। हालांकि, कई यात्री अक्सर अपनी ट्रेन छूटने या बीच रास्ते में उतरने जैसी सामान्य वजहों से इसका दुरुपयोग करते हैं। इससे न केवल संबंधित ट्रेन लेट होती है, बल्कि उसके पीछे चलने वाली अन्य एक्सप्रेस और उपनगरीय ट्रेनों का पूरा शेड्यूल भी बिगड़ता है, जिससे हजारों यात्रियों को असुविधा होती है। दिल्ली रेल मंडल ने उन मार्गों और स्टेशनों की पहचान की है जहाँ यह समस्या सबसे अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, गाजियाबाद, गुरुग्राम, नई दिल्ली, पानीपत और रोहतक जैसे स्टेशन, और दिल्ली-मुजफ्फरनगर तथा नई दिल्ली-कुरुक्षेत्र रेल सेक्शन मामले में सर्वाधिक प्रभावित हैं। रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि किसी भी समस्या के लिए चेन खींचने के बजाय रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल करें या ऑन-ड्यूटी टीटीई से संपर्क करें। ट्रेन की चेन खींचने पर ब्रेक पाइप में हवा का दबाव कम हो जाता है, जिससे लोको पायलट को तीन बार हॉर्न बजाकर ट्रेन रोकनी पड़ती है। ट्रेनों में लगे इमरजेंसी फ्लैशर या गार्ड की जांच से तुरंत पता चल जाता है कि चेन कहाँ से खींची गई है, और रेल पुलिस बिना वजह चेन पुलिंग करने वालों को मौके पर ही पकड़ लेती है। रेलवे ने सभी यात्रियों से जिम्मेदार नागरिक बनने और इस महत्वपूर्ण सुविधा का केवल वास्तविक आपातकाल में ही उपयोग करने का आग्रह किया है।

आय छिपाने का मामला: हाईकोर्ट में थलापति विजय के खिलाफ याचिका दायर

-एफआईआर दर्ज करने की मांग

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में आए बड़े बदलाव के बीच सुपरस्टार थलापति विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के लिए नई कानूनी चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। एक ओर जहां विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और हाल ही में उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया है, वहीं दूसरी ओर मद्रास हाईकोर्ट में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर एक रिट याचिका दायर की गई है।

यह याचिका चेन्नई निवासी एम. राजकुमार द्वारा दाखिल की गई है, जिसमें अभिनेता विजय पर साल 2015 के दौरान अपनी वास्तविक आय और वित्तीय लेन-देन छिपाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह विवाद मुख्य रूप से उनकी फिल्म पुली की रिलीज के समय का है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि आयकर विभाग विजय के खिलाफ आधिकारिक अभियोजन शुरू करे और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करें। साथ ही, यह भी अनुरोध किया गया है कि आयकर विभाग जब्त की गई सामग्रियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपे ताकि मनी लॉन्ड्रिंग के संभावित पहलुओं की जांच की जा सके। मद्रास हाईकोर्ट की रजिस्ट्री ने बुधवार को इस रिट याचिका को नंबर दे दिया है और जल्द ही इस पर सुनवाई होने की संभावना है। इससे पहले, मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की खंडपीठ ने 8 अप्रैल को रजिस्ट्री को इस याचिका को स्वीकार करने के निर्देश दिए थे। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सत्ता संभालने की तैयारियों के बीच विजय के खिलाफ इन पुराने मामलों का फिर से उभरना उनके भविष्य के समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। फिलहाल, सभी की निगाहें हाईकोर्ट के अगले रुख पर टिकी हैं। मामले की जड़ें 30 सितंबर 2015 को आयकर विभाग द्वारा विजय के आवास और कार्यालयों पर की गई छापेमारी से जुड़ी हैं। विभाग को तलाशी के दौरान ऐसे दस्तावेज मिले थे जिनसे संकेत मिला कि पुली के निर्माताओं ने विजय को चेक के माध्यम से दी गई फीस के अलावा 4.93 करोड़ रुपये नकद दिए थे। उस समय मेकर्स ने केवल चेक की राशि पर टीडीएस जमा किया था। पूछताछ के दौरान विजय ने कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये नकद लेने की बात स्वीकार की थी और उस पर टैक्स देने की सहमति जताई थी। विवादों को सुलझाने के लिए विजय ने वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए 15 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय घोषित की थी। हालांकि, बाद में जब उन्होंने अपनी आय का रिटर्न दाखिल किया, तो उन्होंने फैंस क्लब के खर्चों और संपत्तियों के अवमूल्यन पर छूट की मांग की। आयकर विभाग ने इन दावों को खारिज करते हुए उन पर जुर्माना लगा दिया था।

इस्तीफा देने के बाद भी हाईकोर्ट में जज बने हुए हैं जस्टिस वर्मा, सूची में तीसरा नाम

-अब तक राष्ट्रपति मुर्मू की ओर से वर्मा के इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है

प्रयागराज (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट का जज रहते हुए जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर बड़े पैमाने पर कैश मिला था। वहीं कुछ कैश जला हुआ भी पाया गया था और इसे लेकर सवाल उठे तो उनका ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया गया था। वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग की प्रक्रिया भी लाने पर विचार हुआ। इस बीच पिछले दिनों उन्होंने खुद ही जस्टिस के पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन वह अब भी जज बने हुए हैं। ऐसा शायद इसलिए है क्योंकि अब तक राष्ट्रपति की ओर से उनके इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इलाहाबाद हाईकोर्ट में जजों की तैनाती इलाहाबाद और लखनऊ में है। लखनऊ खंडपीठ में 28 जजों की तैनाती है, जबकि इलाहाबाद में 79 जज हैं। हाईकोर्ट के पोर्टल पर इलाहाबाद स्थित जजों की सूची में अब भी जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम तीसरे स्थान पर है उनसे ऊपर जस्टिस एमसी त्रिपाठी और जस्टिस अरिंदम सिन्हा का नाम है। ऐसा शायद इसीलिए है क्योंकि अब तक जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा लंबित है और उस पर कोई फैसला नहीं हो सका है।

बता दें जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखकर इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि मैं नहीं चाहता कि आपके शुचितापूर्ण दफ्तर पर किसी तरह की ऐसी चीजें पहुंचे, जो गलत हों। मुझे बेहद दुख है कि ऐसी चीजों में मेरा नाम लिया गया। ऐसी स्थिति में मैं इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के पद से इस्तीफा देता हूं। जस्टिस वर्मा ने अपने इस्तीफे में तत्काल प्रभाव वाली बात लिखी थी। नियम के मुताबिक उन्हें तत्काल ही जज की सूची से हट जाना चाहिए।

इसके अनुसार यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति के नाम लिखता है तो वह जिस तारीख से उसके लागू होने की बात करेगा, उसी दिन से वह माना जाएगा। यदि वह तत्काल प्रभाव वाली बात लिखता है तो फिर वही लागू होगी। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच ने 15 फरवरी, 1978 को जस्टिस गोपाल चंद्र मिश्रा के केस में फैसला दिया था और बताया था कि यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजता है तो फिर उसे निश्चित तारीख से माना जाएगा। बता दें जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच में सुनवाई भी हुई थी। उन्होंने

अपने फैसले में जस्टिस यशवंत वर्मा की फाइल को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के समक्ष भेजा था और कहा था कि उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर चेताया, भारत न भूलता है, न माफ करता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई 2025 में सीमा पार आतंकी ठिकानों पर की गई ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को आज एक साल पूरा हो गया है। इस अवसर पर भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना ने एक विशेष वीडियो साझा कर दुनिया और विशेष रूप से शत्रु देशों को स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अपनी सुरक्षा और अखंडता के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। वायुसेना ने अपने आधिकारिक संदेश में बेहद सख्त लहजे का इस्तेमाल करते हुए कहा कि भारत न कुछ भूलता है और न ही किसी को माफ करता है। यह बयान आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को मजबूती से दोहराता है। जारी किए गए वीडियो की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संबोधन से होती है, जिसमें उन्होंने देश की इच्छाशक्ति को प्रकट करते हुए कहा था कि भारत आतंकियों और उनके मददगारों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और उनका खात्मा करेगा। यह संकल्प केवल एक बयान नहीं, बल्कि भारत की नई सैन्य कूटनीति की आधारशिला बन गया है। पिछले साल मई में भारतीय जांबाजों ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर सीमा पार सक्रिय आतंकी लॉन्च पैड्स और उनके ठिकानों को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया था। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी उपलब्धि इसकी सर्जिकल प्रिसिजन (सटीकता) थी, जिससे बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के केवल लक्ष्यों को निशाना बनाया गया। वायुसेना ने इसे सटीक कार्रवाई और शाश्वत यादों वाला ऑपरेशन बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कार्रवाई ने दक्षिण एशिया के सुरक्षा समीकरणों को हमेशा के लिए बदल दिया है। सेना और वायुसेना का यह साझा संदेश उन ताकतों के लिए चेतावनी है जो सीमा पार से अस्थिरता फैलाने की कोशिश करते हैं। वीडियो के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि भारत अब केवल रक्षात्मक नहीं रहा, बल्कि प्रो-एक्टिव होकर खतरे को उसकी जड़ में खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है। यह ऑपरेशन साबित करता है कि भारत के पास अब ऐसी तकनीकी और सामरिक ताकत है, जिससे वह किसी भी हिमाकत का तत्काल और करारा जवाब दे सकता है। ऑपरेशन सिंदूर की यह बरसी न केवल जवानों के साहस को नमन करती है, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि भारत अब दुश्मन के घर में घुसकर प्रहार करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति रखता है।

बंगाल में बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में 4,000 पुलिसकर्मी होंगे तैनात

-ग्राउंड के प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता स्थित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए इस मैदान को प्रभावी भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए करीब 30 सेक्टरों में बांटा गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि ब्रिगेड परेड ग्राउंड और आसपास के इलाकों में

करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। प्रत्येक सेक्टर की निगरानी पुलिस उपायुक्त या सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी करेंगे। अधिकारी ने बताया कि जरुरत पड़ने पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की भी तैनाती की जा सकती है। कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार में वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक कर इस कार्यक्रम की सुरक्षा रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। समारोह में भारी भीड़ जुटने की संभावना है। प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे, जबकि पूरे स्थल की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी।

अधिकारी ने बताया कि व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं कि मैदान के अंदर कोई प्रतिबंधित या खतरनाक वस्तु न लाई जा सके। आसपास की इमारतों की छतों से भी निगरानी की जाएगी। पुलिस ने बताया कि यातायात जाम से बचने के लिए शनिवार को इलाके में यातायात प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं और मार्ग परिवर्तन भी किया जा सकता है।

'दीदी आप हारी नहीं', ममता बनर्जी को हौसला देकर बोले अखिलेश यादव, बीजेपी के खिलाफ लड़ाई रहेगी जारी

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी से मुलाकात की और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री को भावनात्मक समर्थन दिया। अखिलेश ने ममता और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी से कोलकाता स्थित टीएमसी अध्यक्ष के आवास पर मुलाकात की। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी के आधिकारिक सूत्रों ने अखिलेश यादव से कहा कि दीदी, आप हारी नहीं हैं।

उन्होंने आगे बताया कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी से मुलाकात के दौरान, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभिषेक से कहा, ''आप सभी ने कितनी सराहनीय लड़ाई लड़ी है।'' अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल में जो हुआ है, उससे लोकतंत्र को नष्ट करने का रास्ता मिल गया है। शायद ही किसी ने लोकतंत्र को इतना नुकसान पहुंचाया हो जितना भाजपा ने। वे कभी किसी महिला के उत्थान को नहीं देख सकते। यहां मतदान तो हुआ है, लेकिन लोगों ने अपनी इच्छा से ज़्यादा दबाव में आकर मतदान किया है। अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्षी एकता के प्रति अपना समर्थन दोहराया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने का संकल्प लिया है। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 207 सीटें जीतकर दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल किया और टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत कर दिया। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी की सीटें घटकर 80 रह गईं। पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह नौ मई को यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा, जो दशकों तक राजनीतिक हाशिये पर रहने के बाद राज्य में भगवा खेमे के सत्ता में आने का प्रतीक होगा। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, हालांकि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह अब भी रहस्य बना हुआ है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को इस पद के लिए सबसे आगे माना जा रहा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और पूर्व राज्यसभा सदस्य स्वप्न दासगुप्ता के नाम भी इस दौड़ में शामिल हैं।

पंजाब चुनाव में 10 महीने बचे हैं, अब नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ो

-राघव चड्ढा एपिसोड और बंगाल चुनाव नतीजे केजरीवाल को करने लगे परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के विधायकों को याद दिलाया है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में महज 10 महीने बचे हैं। मतलब, नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ना है। बचे हुए वक्त में सारे ही चुनावी वादे पूरे करने की कोशिश है। चुनावी वादों के हिसाब से देखें तो दिल्ली में कुछ अधूर वादे रह गए थे। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले ही अरविंद केजरीवाल ने कई चुनावी वादों पर काम करना शुरू किया था। 2025 के दिल्ली चुनाव से पहले केजरीवाल ने यह भी माना था कि दिल्ली में तीन काम उनसे अधूरे रहे गए. एक- यमुना की सफाई, दो-साफ हवा और तीसरा-दिल्ली की सभी कॉलोनियों में साफ पानी पहुंचाना।

बता दें असल में राघव चड्ढा एपिसोड और पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे, केजरीवाल को परेशान करने लगे हैं। दिल्ली की हार के दर्द से अभी पूरी तरह राहत भी नहीं मिली थी कि राघव चड्ढा ने नया दर्द दे दिया और पश्चिम बंगाल के नतीजे तो लगता है कुछ ज्यादा ही असर डाल रहे हैं। पंजाब के आप विधायकों से मुलाकात में केजरीवाल ने टीएमसी नेता ममता बनर्जी और दिल्ली चुनाव में अपनी हार को मिलता जुलता करार दिया और अब पंजाब को लेकर भी केजरीवाल को बंगाल जैसी ही आशंका सता रही है। लिहाजा आम आदमी पार्टी के विधायकों को अभी से अलर्ट मोड में डाल दिया है।

बता दें राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा सहित 7 सांसदों ने हाल ही में आम आदमी पार्टी से बगावत किया, और बीजेपी में शामिल हो गए। बाद में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले और बीजेपी में शामिल होने वाले सभी सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। बात सिर्फ राघव चड्ढा और साथियों के अरविंद केजरीवाल की बनाई लक्ष्मण रेखा लांघने की नहीं है, उसके आगे खतरे और भी हैं जो आप को भारी पड़ सकते हैं और जरूरी नहीं कि नुकसान आने वाले पंजाब चुनाव में ही नुकसान हो, पहले भी संभव है।

रिपोर्ट के मुताबिक आम आदमी पार्टी के विधायकों से बातचीत के आधार पर एक रिपोर्ट फाइल की है। बातचीत में विधायकों ने आप के अंदर पड़ी दरार और कलह के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, विधायकों के सामने चुनौतियों और उनकी समस्याओं का भी पता चला है। ध्यान देने वाली बात यह है कि विधायकों के मुताबिक ज्यादातर समस्याएं राघव चड्ढा और संदीप पाठक के आम आदमी पार्टी छोड़ देने के बाद पैदा हुई हैं।

आम आदमी पार्टी के एक विधायक ने संवादहीनता की तरफ इशारा किया। विधायक का कहना था, हमारे पास अपनी बात रखने के लिए कोई मंच नहीं है। हमें चुप रहने को कहा जाता है। लीडरशिप को जमीन पर क्या हो रहा है, उसकी पूरी जानकारी नहीं है। कई विधायकों का कहना है कि लीडरशिप तक अपनी बात पहुंचाना मुश्किल है। लीडरशिप तक सीमित पहुंच के कारण, पार्टी वालंटियर्स में असंतोष बढ़ा है। विधायकों की शिकायत है कि पार्टी के सत्ता में आने के फौरन बाद ही निराशा का दौर शुरू हो गया था, क्योंकि वालंटियर्स को तभी से किनारे कर दिया गया।

विधायकों का मानना है कि 7 में से सिर्फ दो सांसद ही संगठन की पृष्ठभूमि के थे, राघव चड्ढा और संदीप पाठक। विधायकों का सवाल है, बाकियों को क्यों चुना गया? और शिकायत है, सरकार बनने के बाद हुए उपचुनावों में भी जमीनी कार्यकर्ताओं के बजाय दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को टिकट दिया गया।

विधायकों की बातचीत से मालूम होता है

कि ऊपर से जो कुछ लग रहा है, आम आदमी पार्टी पर खतरा कहीं ज्यादा है. क्योंकि, राघव चड्ढा और संदीप पाठक का पंजाब में पूरे संगठन पर अच्छा खासा प्रभाव था और यह बात पंजाब में नेताओं को शुरू से ही महसूस होती रही है। मालूम होता है कि पंजाब में असंतोष मनीष सिसोदिया के प्रभारी बन जाने के बाद बढ़ा है। संदीप पाठक के एक सहयोगी का कहना है कि पंजाब प्रभारी के पद से उनको हटाया जाना मुसीबत की जड़ था। दिल्ली की हार के बाद अरविंद केजरीवाल को पंजाब की चिंता सताने लगी थी और मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाए जाने की एक वजह यह भी थी. हां, उनको एडजस्ट भी तो करना था। यही बात संदीप पाठक को बुरी लगी, और राघव चड्ढा ने उनके मनमाफिक सपना दिखा दिया। अरविंद केजरीवाल हाथ मलते रह गए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com